हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 12 अप्रैल 2026

11 रोडवेज चालकों को दमकल विभाग में भेजना गलत : बीघड़

12 मौसम साफ होने और तापमान बढ़ने से गेहूं कटाई ने जोर पकड़ा

वाहनों की लगी कई किलोमीटर लंबी कतारें, पुलिस ने रूट को किया डायवर्ट

किसान नेताओं ने दी चेतावनी, फैसले को वापस ले सरकार नहीं तो आंदोलन होगा तेज

बायोमेट्रिक का विरोध: रतिया के संजय गांधी चौक पर चक्का जाम, टोहाना में भी सड़कों पर बैठे किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया/टोहाना

हरियाणा सरकार द्वारा गेहूं की खरीद प्रक्रिया में लागू की गई बायोमेट्रिक हाजिरी की अनिवार्य शर्त का किसान सड़कों पर उतरकर विरोध करने लगे हैं। इस फैसले के विरोध में शनिवार को रतिया और टोहाना में किसानों का जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर विभिन्न किसान संगठनों ने एकजुट होकर रतिया में बुढलाडा मार्ग स्थित संजय गांधी चौक पर पूर्णतः चक्का जाम कर दिया, जिससे घंटों तक यातायात बाधित रहा। इसके अलावा टोहाना में भी किसानों ने हिसार रोड पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। जाम की स्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पब्लिक हेल्थ के एसडीओ आंचल जैन को मौके पर बतौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात किया गया था ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे। किसानों के धरने को देखते हुए एएसपी दिव्यांशी सिंगला, सदर थाना अध्यक्ष प्रहलाद सिंह, सिटी थाना अध्यक्ष पुष्पा सिहाग भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गई और उन्होंने रूट को डायवर्ट कर वाहनों को भेजा। रतिया में किसानों ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 11 बजे ही मोर्चा संभाल लिया। सैकड़ों की संख्या में किसान अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली और झंडों के साथ संजय गांधी चौक पर पहुंचे और बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। दोपहर 3 बजे तक चले इस जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गई। हालांकि, किसानों ने मानवीय पक्ष दिखाते हुए एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाओं को जाम से मुक्त रखा। धरने को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन (एकता उग्राहा) के जिला अध्यक्ष निर्भय सिंह और भारतीय किसान यूनियन खेती बचाओ हरियाणा के अमन सिंह ने सरकार की नीतियों पर जमकर प्रहार किया। किसान नेता राजविंदर सिंह चहल और राम जाट ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस तानाशाही फैसले को तुरंत वापस नहीं लिया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा और पूरा हरियाणा बंद कर दिया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि सरकार जानबूझकर खरीद प्रक्रिया को जटिल बना रही है ताकि किसानों को परेशान किया जा सके।

रतिया। मांगों को लेकर रोड जाम करते किसान। फोटो: हरिभूमि

टोहाना। किसानों के धरने को समर्थन देती सुनैना चौटाला।

टोहाना के नेशनल हाईवे किया जाम

टोहाना। शहर के हिसार चंडीगढ़ रोड नेशनल हाईवे 148 बी पर संयुक्त किसान मोर्चा के व आह्वान पर किसान संगठनों द्वारा रोड जाम करके केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन का नेतृत्व किसान नेता जगतार सिंह ने किया। इस दौरान हरियाणा में फसल खरीद के नियमों को लेकर किसानों द्वारा रोष जताया गया। किसान संगठनों ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि गेहूं खरीद को लेकर जो नियम बनाए गए है उनको जल्द से जल्द वापस लिया जाए नहीं तो यह प्रदर्शन और उग्र किया जाएगा।

भट्ठू मंडी में किसानों का चक्का जाम, सौंपा ज्ञापन

भट्ठूकलां। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शनिवार को किसानों ने भट्ठू मार्केट कमेटी के सामने रोड जाम कर सरकार के नए फसल खरीद कानूनों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने नए खरीद नियमों को किसान विरोधी और कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने वाला बताया। उनका कहना है कि इससे मंडी व्यवस्था और एमएसपी खत्म हो जाएगी। नए नियमों को तुरंत वापस लेकर किसानों को पहले की तरह स्वेच्छा से फसल बेचने की आजादी दी जाए। प्रदर्शन की अध्यक्षता विष्णु दत्त, सुरेंद्र जाखड़ और विजय जाखड़ ने की। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो आंदोलन को प्रदेश स्तर पर और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के अंत में किसानों ने अपनी मांगों के समर्थन में प्रशासन को सरकार के नाम ज्ञापन भी सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान, महिला कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे।

किसान लुटेरा नहीं, गेहूं खरीद प्रक्रिया को सरल करे सरकार : सुनैना चौटाला

- सुनैना चौटाला ने किया टोहाना अनाज मंडी का दौरा

टोहाना। इनेलो की महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला शनिवार को फतेहाबाद जिले के टोहाना में पहुंची। यहां उन्होंने एडिशनल अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। इसके बाद गेहूं खरीद प्रक्रिया में आ रही समस्याओं को लेकर नेशनल हाईवे पर प्रदर्शन कर रहे किसानों के बीच पहुंची। उन्होंने किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए हरियाणा सरकार पर निशाना साधा। सुनैना चौटाला ने सरकार से गेहूं खरीद के नए नियमों को वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों को परेशान करने के लिए नए-नए नियम थोपे जा रहे हैं। किसान कोई लुटेरा या डाकू नहीं है कि उसके लिए गेहूं बेचने की प्रक्रिया इतनी जटिल बनाई जाए। किसान का ध्यान अभी अपनी फसल को खेत से अनाज मंडी तक लाने में लगा हुआ है और सरकार उन्हें परेशान कर रही है। सुनैना चौटाला नेउन्होंने प्रदेश सरकार के बॉयोमेट्रिक सिस्टम लागू कर भ्रष्टाचार खत्म करने के दावे पर भी सवाल उठाए। सुनैना चौटाला ने कहा कि इस सरकार से तंग आकर कई अधिकारी आत्महत्या कर चुके हैं और इनके नेताओं पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे हैं, लेकिन किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सुनैना ने बताया कि इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला के आदेशानुसार, जहां भी किसान परेशान दिखेंगे, वे उनके साथ खड़े मिलेंगे। उन्होंने कहा कि किसान हाथ जोडक़र अपनी फसल बेचने आया है, जबकि भाजपा में ऐसे बहुत से लोग बैठे हैं, जिन पर भ्रष्टाचार के मामले हैं, पर उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती, जबकि किसानों पर कानून थोपे जा रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा पर बरसते हुए सुनैना चौटाला ने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियां मिलकर क्षेत्रीय दलों को खत्म करना चाहती हैं।

भावदीन-खुइया मलकाना टोल पर धरना

- फसल खरीद को लेकर बनाए गए नियमों को वापस लेने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा के आह्वान पर किसान संगठनों ने शनिवार को सिरसा के भावदीन टोल प्लाजा व खुइया मलकाना टोल प्लाजा के पास रोड जाम कर सरकार द्वारा फसल खरीद को लेकर बनाए गए नए नियमों के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। किसानों ने करीब चार घंटे तक रोड जाम रखा जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के लिहाज पुलिस बल तैनात किया गया। इस दौरान पुलिस व किसानों के बीच रोड जाम खोलने को लेकर जमकर बहसबाजी और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने स्थिति को देखते हुए टोल से सभी रूट डायवर्ट कर दिए। रोडवेज बस सहित कई वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना है कि नए नियम उनकी आजीविका पर सीधा असर डालेंगे और खेती को और अधिक जटिल बना देंगे।

सिरसा। सडक़ जाम करते किसानों को जबरन हटाते पुलिस कर्मचारी।

राजनीतिक पार्टियों का मिला समर्थन

विरोध प्रदर्शन के चलते पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। टोल प्लाजा पर पुलिस बल तैनात किया गया। मौके पर डीएसपी सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे और हालात पर नजर बनाए रखी। प्रदर्शन के दौरान किसानों और पुलिस प्रशासन के बीच तीखी बहसबाजी हुई। किसानों के इस प्रदर्शन को राजनीतिक पार्टियों का समर्थन भी मिला।

नमी की मात्रा अधिक दर्शाकर एजेंसियां नहीं कर रही खरीद

फतेहाबाद। जिला की अनाज मंडियों में गेहूं आने की रफ्तार तेज हो गई है। शनिवार तक जिले में 7 में से दो मंडियों में अभी गेहूं की सरकारी खरीद ही शुरू नहीं हुई है, जबकि मंडी में गेहूं ढेर लगने शुरू हो गए है। जिला में अब तक कुल 15 लाख 53 हजार 642 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है, जबकि सरकारी एजेंसीयों ने खरीद मात्र 1 लाख 31 हजार 10 क्विंटल ही की है। 25 हजार 578 किसानों के गेटपास कट चुके है। यही कारण है कि किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खरीद एजेंसी के अधिकारी हर रोज मंडी में पहुंचकर गेहूं में नमी की मात्रा की जांच कर खरीद से इंकार कर देते हैं। इसके कारण फतेहाबाद अनाज मंडी में अभी तक किसी किसान ने बॉयोमीट्रिक तक नहीं लगाई है। जिले में इस बार 7 अनाज मंडी व 44 खरीद केंद्रों पर गेहूं की सरकारी खरीद हो रही है। इस बार गेट पास के दौरान अनाज से भरे वाहन की फोटो भी ली जा रही है। इसके बाद ही वाहन को मंडी में प्रवेश दिया जा रहा है। मंडी में किसान का गेहूं तभी बिक्री होगा, जब किसान की बॉयोमीट्रिक लगेगी।

गेहूं की बोरियों से अटी अनाज मंडी।

अधिकारी ने कहा: नमीं ज्यादा, इसलिए खरीद नहीं

अनाज मंडी में गेहूं के परचेजर राजेश ने बताया कि एजेंसी अधिकारी, मार्केट कमेटी अधिकारी तथा आढ़तियों ने मंडी में रखे गेहूं में नमी की मात्रा की जांच की है। गेहूं में नमी की मात्रा 15 से 16 प्रतिशत आ रही है, जबकि नियमों के अनुसार गेहूं में 12 प्रतिशत से ज्यादा नमी नहीं होनी चाहिए। इसलिए खरीद शुरू नहीं कर पा रहे है। उम्मीद है कि जैसे जैसे मौसम ठीक हो रहा है गेहूं में नमी की मात्रा कम होगी और 12 प्रतिशत तक आते ही एजेंसी खरीद शुरू कर देगी।

खबर संक्षेप

15 तक खुला रहेगा ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल

फतेहाबाद। जिला राजस्व अधिकारी श्यामलाल ने बताया कि मार्च-अप्रैल 2026 के दौरान ओलावृष्टि व वर्षा से रबी फसलों को हुए नुकसान के मद्देनजर सरकार द्वारा ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल को 15 अप्रैल तक खोल दिया गया है। उन्होंने बताया कि फतेहाबाद जिले के प्रभावित बरसीन, भिरड़ाना, भुथन कलां, बीसला, दरियापुर, झलनिया, माजरा गांवों के किसान इस अवधि के दौरान पोर्टल पर अपनी फसल नुकसान की क्लेम ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं।

युवक ने फंदा लगाकर दी जान

डबवाली। शहर में एक युवक ने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर डबवाली के नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। जानकारी के अनुसार शहर के वार्ड नंबर पांच निवासी अंग्रेज सिंह करियाना की दुकान चलाते हैं। बीती शुक्रवार देर शाम को परिवार के सदस्य किसी काम से बाहर गए हुए थे, जबकि अंग्रेज सिंह का बेटा प्रधान सिंह घर में था। पीछे से प्रधान सिंह ने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

मां की रसोई में की लंगर सेवा

रतिया। लायंस क्लब रतिया सिटी ने पूर्व अध्यक्ष विजय ग्रोवर के दोहते ऐरन नागपाल के जन्मदिन उपलक्ष्य में आज मां की रसोई में लंगर सेवा की। वहां सेवा करने वाले सेवकों व मुख्य सेवादार राजू मेहता ने बताया कि मां की रसोई में हर रोज लगभग 500 से 600 लोग खाना खाते है। हमारा मुख्य मकसद ही लोगों की सेवा करना है।

भट्ठूकलां। चुनावी बैठक में भाग लेती आंगनबाड़ी वर्कर्स। फोटो: हरिभूमि

आंगनबाड़ी वर्कर यूनियन के चुनाव संपन्न, माया बनीं ब्लॉक प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭भट्ठूकलां

खंड में आंगनबाड़ी वर्कर एवं हेल्पर यूनियन की कार्यकारिणी का चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान सर्व कर्मचारी संघ और अध्यापक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों की देखरेख में नई टीम का गठन किया गया। प्रधान पद के लिए तीन उम्मीदवारों रजनी, माया बेनीवाल और सावित्री देवी के बीच मुकाबला था। इसमें माया बेनीवाल, चूली बगडिय़ान को 33 मत मिले, जबकि रजनी को 8 मत प्राप्त हुए। बहुमत के आधार पर माया बेनीवाल को ब्लॉक प्रधान चुना गया। वनिता द्वारा नाम वापस लेने के बाद प्रमिला किरढान को सर्वसम्मति से सचिव नियुक्त किया गया। उप-प्रधान पद पर मंजुला, बोदीवाली का चयन सर्वसम्मति से हुआ। इसके अलावा सुदेश मेहुवाला को सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पुरानी सर्कल कमेटियां यथावत कार्य करती रहेंगी। नवनियुक्त प्रधान माया बेनीवाल ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए सरकार की नीतियों की कड़े शब्दों में आलोचना की।

महिला कॉलेज में जागरूकता रैली

रक्तदान के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

राजकीय महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में 13 अप्रैल को आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर के प्रति जन-जागरूकता के लिए प्रेरणादायक रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शत्रुजीत सिंह के दिशा निर्देशन में तथा एनएसएस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रीत कौर के कुशल संयोजन में संपन्न हुआ। रैली को कार्यकारी प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महान मानवीय सेवा है, जो न केवल जरूरतमंदों का जीवन बचाता है बल्कि समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं आमजन से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। रैली में एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान महादान, एक बूंद रक्त, कई जिंदगियां सुरक्षित, रक्तदान जीवनदान जैसे प्रेरणादायक नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। यह रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर आसपास के क्षेत्रों में निकाली गई, जहां छात्राओं ने घर-घर जाकर एवं राहगीरों से संवाद स्थापित कर रक्तदान के महत्व को समझाया। जागरूकता रैली में महाविद्यालय परिवार के डॉ. यादविंदर सिंह, प्रो. संदीप बेनीवाल, प्रो. संदीप कुमार, प्रो. मुकेश सुथार, प्रो.सतपाल बेनीवाल, प्रो.किरण, प्रो. मनीषा, डॉ. कपिल कुमार सैनी एवं प्रो. वंदना सहित अन्य स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और रैली को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सिरसा। महिला कॉलेज में रक्तदान जागरूकता रैली निकालते छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

13 को रक्तदान शिविर लगाया जाएगा

डॉ. प्रीत कौर ने बताया कि महाविद्यालय में 13 अप्रैल को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों, स्टाफ सदस्यों एवं क्षेत्र के नागरिकों से इस शिविर में बढ़-चढक़र भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त किसी के जीवन को बचाने में अमूल्य योगदान दे सकता है।

महिला सहित दो नशा तस्कर गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस अलग-अलग स्थानों से 15.10 ग्राम हेरोइन बरामद करते हुए महिला सहित दो आरोपियों को काबू किया है। एएनसी प्रभारी रणजोध सिंह ने बताया कि एएसआई राजेंद्र प्रसाद पुलिस टीम के साथ गश्त के दौरान गांव सीता से गांव अबूबशहर रोड की ओर जा रहे थे। गांव मसीता के बाहर फिरनी के पास पहुंचे तो वहां एक युवक खड़ा दिखाई दिया। जो पुलिस टीम को देखकर वहां से खिसकने की कोशिश करने लगा। पुलिस टीम ने शक के आधार पर उक्त शख्स को काबू करके नियमानुसार तलाशी ली गई तो उक्त शख्स के पास से एक पारदर्शी पन्नी में से 6.62 ग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान निर्मल सिंह उर्फ बग्गा निवासी गांव मसीतां के रुप में हुई। वहीं, कालांवाली पुलिस ने गश्त के दौरान वार्ड नंबर 10 मंडी कालांवाली से एक महिला को 8.49 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है।

गांव समैन में भगवान परशुराम जयंती पर भव्य कार्यक्रम में पहुंचे सासंद

त्याग, तप और शौर्य के मार्ग पर चलकर ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव: सुभाष बराला

- सांसद सुभाष बराला, केबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी और खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने 11-11 लाख रुपए देने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ⏭टोहाना

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को गांव समैन में भगवान परशुराम जी के पावन जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, केबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी और खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने 11-11 लाख रुपए देने की घोषणा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद सुभाष बराला ने कहा कि भगवान परशुराम जी के आदर्श त्याग, तप, शौर्य और धर्म रक्षा हमारे समाज के लिए आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में नैतिक मूल्यों, सत्य और न्याय की स्थापना के लिए कार्य करना चाहिए। बराला ने कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और सनातन परंपराएं ही हमें एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र बनाने की दिशा में मार्गदर्शन देती हैं।

टोहाना। समैन में भगवान परशुराम जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद सुभाष बराला। फोटो: हरिभूमि

भगवान परशुराम का जीवन अनुशासन का प्रतीक: गौतम

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान परशुराम जी का जीवन अनुशासन, पराक्रम और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग को उनके आदर्शों को अपनाकर अपने जीवन में लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है और ऐसे धार्मिक व सामाजिक आयोजन युवाओं में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का माध्यम बनते हैं। इस अवसर पर पूर्व सांसद डीपी वत्स, सुरेंद्र पूनिया, विक्रम प्रभाकर, सतीश शर्मा, राजेश शर्मा,ललित मोहन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

गुरुद्वारा साहिब गली में पानी भरने से ग्रामीणों में रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

गांव महमदगी की मुख्य गुरुद्वारा साहिब वाली गली में पानी खड़े हो जाने को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष देखने को मिला। ग्रामीण सुखपाल सिंह, गुलाब सिंह कुलबीर सिंह, अमरीक सिंह, सुखविंदर सिंह, हरबंस सिंह, कुलविंदर सिंह, मेवा सिंह, दर्शन सिंह, आदि ने रोष जताते हुए बताया कि मार्केट कमेटी द्वारा गांव के खरीद केंद्र के अंदर जमा पानी की निकासी गांव के जोहड़ की तरफ कर दी गई, जिसके चलते जोहड़ का पानी ओवरफ्लो हो कर गांव की प्रमुख गुरुद्वारा साहिब वाली गली में आ गया। गली में पानी खड़े रहने से लोगों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस स्थिति के चलते लोगों को गुरुद्वारा साहिब में आने-जाने में भी भारी दिक्कत हो रही है वहीं बीमारियां फैलने का भय बना हुआ। पानी के खड़े हो जाने के कारण बदबू के चलते ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या पर तुरंत ध्यान दिया जाए और जल्द से जल्द इसका समाधान किया जाए।

समस्या के तुरंत समाधान की मांग

लार्ज कैप में बने निवेश के मौके

तीन से पांच साल में दे सकता है अच्छी ग्रोथ

18 महीने की कमजोरी के बाद बन रहा बढ़िया संतुलन

गिरते बाजार में लार्ज कैप बन सकता है भरोसे का सहारा

शॉर्ट टर्म दबाव के बावजूद लॉन्ग टर्म तस्वीर मजबूत

बिजनेस डेस्क

वैश्विक अनिश्चितताओं और मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच शेयर बाजार में हालिया गिरावट ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है। खासकर मिड और स्मॉल कैप शेयरों में तेज गिरावट के कारण जोखिम की धारणा बढ़ी है। हालांकि, इसी दौर में लार्ज कैप शेयर निवेश के लिए मजबूत विकल्प बनकर उभरे हैं। करीब 18 महीनों की गिरावट के बाद इनका वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर आ चुका है, जिससे लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एंट्री का अच्छा मौका बनता दिख रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि शॉर्ट टर्म में भले ही बाजार पर दबाव बना रहे, लेकिन भारत के मजबूत मैक्रो फंडामेंटल्स और कंपनियों की संभावित अर्निंग ग्रोथ आने वाले वर्षों में बेहतर रिटर्न का आधार बन सकती है। ऐसे में 3 से 5 साल का नजरिया रखने वाले निवेशकों के लिए यह समय वेल्थ क्रिएशन का अवसर साबित हो सकता है। पिछले डेढ़ साल में बाजार में आई गिरावट का असर सबसे ज्यादा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर देखने को मिला। हालांकि, लार्ज कैप कंपनियों ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई। इस दौरान लगातार दबाव के चलते अब इन कंपनियों के वैल्यूएशन काफी संतुलित और निवेश के लिहाज से आकर्षक हो गए हैं।

- मिड और स्मॉल कैप में गिरावट, लार्ज कैप ने दिखाई

तेल की कीमत और जियो-पॉलिटिकल टेंशन का असर

- रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल बाजार पर दबाव बना रह सकता है। मिडिल ईस्ट में तनाव, होर्मुज स्ट्रेट के आसपास क्रूड सप्लाई की चिंता और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं बाजार की दिशा तय कर रही हैं।
- इन कारणों से शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। लेकिन यह दबाव स्थायी नहीं है। जैसे-जैसे परिस्थितियां सामान्य होंगी, बाजार में स्थिरता लौटने की उम्मीद है।

कंपनियों की कमाई तय करेगी भविष्य

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में बाजार की दिशा केवल वैल्यूएशन पर निर्भर नहीं रहेगी, बल्कि कंपनियों की वास्तविक कमाई अहम भूमिका निभाएगी। लार्ज कैप कंपनियां, जो पहले से ही मजबूत बिजनेस मॉडल और स्थिर कैश फ्लो रखती हैं, इस मामले में बेहतर स्थिति में हैं। ऐसे में इन कंपनियों में निवेश करने से दीर्घकाल में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना है।

गोल्ड, क्रिप्टो और इक्विटी हर जगह अस्थिरता

हाल के महीनों में सिर्फ शेयर बाजार ही नहीं, बल्कि गोल्ड और क्रिप्टो जैसी एसेट क्लास में भी भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। यह दर्शाता है कि वैश्विक निवेश माहौल फिलहाल अस्थिर है। इस तरह के समय में निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे भावनात्मक फैसलों से बचें और लंबी अवधि की रणनीति पर टिके रहें।

वैश्विक दबाव के बावजूद अर्थव्यवस्था स्थिर

विदेशी निवेशकों की बिकवाली और बाजार में गिरावट के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। ये सभी संकेत बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक दबावों को झेलने में सक्षम है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर भी सीमित रहने की उम्मीद है।

इतिहास भी देता है यही संकेत

- अगर इतिहास पर नजर डालें, तो हर बड़े संकट के बाद बाजार ने मजबूती से वापसी की है।
- 1991 के आर्थिक सुधार
- ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस (2008)
- कोविड-19 महामारी
- इन सभी घटनाओं के बाद भारत ने न सिर्फ रिकवरी की, बल्कि पहले से ज्यादा मजबूत होकर उभरा। यही कारण है कि विशेषज्ञ मौजूदा समय को भी एक अवसर के रूप में देख रहे हैं।

3 से 5 साल में वेल्थ क्रिएशन की संभावना

- धैर्य रखने वाले निवेशकों को मिल सकता है फायदा
- -लंबी अवधि के निवेशकों के लिए मौजूदा दौर जोखिम से ज्यादा अवसर का संकेत देता है। खासकर लार्ज कैप -शेयरों में, जहां वैल्यूएशन अब संतुलित हो चुके हैं।
- यदि निवेशक 3 से 5 साल का नजरिया रखते हैं, तो इस स्तर पर किया गया निवेश अच्छी वेल्थ क्रिएशन का आधार बन सकता है।

निवेशकों के लिए क्या है रणनीति?

- समझदारी और अनुशासन है जरूरी
- लॉन्ग टर्म दृष्टिकोण अपनाएं– शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं
- लार्ज कैप पर फोकस करें– स्थिरता और सुरक्षा के लिए
- एसआईपी के जरिए निवेश करें– बाजार टाइमिंग से बचने के लिए
- डाइवर्सिफिकेशन बनाए रखें– जोखिम कम करने के लिए

असमंजस में निवेशक

- मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं और बाजार की गिरावट ने निवेशकों को जरूर असमंजस में डाला है, लेकिन यही समय नए अवसर भी लेकर आया है। लार्ज कैप शेयरों में 18 महीनों की गिरावट के बाद वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर हैं, जो लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक मजबूत एंट्री पॉइंट बन सकता है।
- आने वाले 3–5 साल में, यदि आर्थिक परिस्थितियां सामान्य होती हैं और कंपनियों की कमाई में सुधार होता है, तो यह निवेश अच्छी वेल्थ में बदल सकता है। इसलिए, डर के बजाय समझदारी और धैर्य के साथ निवेश करना इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

महीने के आखिर में खाली जेब से हैं परेशान तो बदल लें कुछ आदतें

सुझाव

बिजनेस डेस्क

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पैसे कमाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से संभालना। अक्सर देखा जाता है कि अच्छी कमाई करने वाले लोग भी महीने के अंत में पैसों की कमी महसूस करते हैं। इसका मुख्य कारण है बिना योजना के खर्च करना। छोटी-छोटी अनावश्यक चीजों पर खर्च धीरे-धीरे इतना बढ़ जाता है कि महीने के आखिर में समझ नहीं आता कि पैसा आखिर गया कहां। अगर आप भी इस स्थिति से गुजर रहे हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान और व्यावहारिक आदतों को अपनाकर आप अपनी फाइनेंशियल लाइफ को बेहतर बना सकते हैं और आर्थिक तनाव से राहत पा सकते हैं।

जरूरत व इच्छा में फर्क समझें

फाइनेंशियल मैनेजमेंट की सबसे पहली और महत्वपूर्ण सीढ़ी है जरूरत और इच्छा के बीच अंतर समझना। जरूरतें वे होती हैं जो जीवन के लिए जरूरी हैं, जैसे किराया, राशन, बिजली-पानी के बिल, बच्चों की फीस और रोजमर्रा के खर्च। वहीं, इच्छाएं वे हैं जो जीवन को आरामदायक बनाती हैं जैसे बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग या नए गैजेट्स खरीदना। यदि आप हर खर्च से पहले खुद से यह पूछना शुरू कर दें कि "क्या यह जरूरी है या सिर्फ इच्छा?", तो आपकी आधी समस्या वहीं खत्म हो जाएगी। यह आदत आपको फालतू खर्च से बचाएगी और बचत बढ़ाने में मदद करेगी।

खर्च लिखने की आदत डालें

अक्सर हम यह समझ ही नहीं पाते कि हमारा पैसा कहां खर्च हो रहा है। ऐसे में रोजाना के खर्च को लिखने की आदत बेहद फायदेमंद होती है। आप एक नोटबुक या मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। जब आप हर खर्च को रिकॉर्ड करते हैं, तो आपको साफ दिखाई देने लगता है कि किन चीजों पर ज्यादा पैसा जा रहा है।

- जैसे बार-बार बाहर खाना, ऑनलाइन ऑर्डर या बिना सोचे-समझे खरीदारी। यह आदत धीरे-धीरे आपको अनुशासित बनाती है और अनावश्यक खर्च अपने आप कम होने लगते हैं।

हर रुपये का एक उद्देश्य तय करें

- जब आपको अपनी आय और खर्च का सही अंदाजा हो जाए, तो अगला कदम है। हर रुपये को एक उद्देश्य देना।
- आप अपनी आय को तीन हिस्सों में बांट सकते हैं।
- जरूरी खर्च
- लाइफस्टाइल (इच्छाएं)
- बचत
- जब हर रुपये का काम पहले से तय होता है, तो पैसा इधर-उधर बिखरता नहीं है।

इससे आप अपने खर्च को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर पाते हैं और भविष्य की योजना बनाना आसान हो जाता है।

बचत को सबसे जरूरी खर्च मानें

- ज्यादातर लोग बचत को सबसे आखिरी में रखते हैं। जो बचेगा, उसे बचा लेंगे। यही सबसे बड़ी गलती है।
- सही तरीका यह है कि जैसे ही आपकी सैलरी आए, सबसे पहले एक तय राशि बचत के लिए अलग कर दें।
- भले ही शुरुआत छोटी हो, लेकिन नियमितता बहुत जरूरी है। हर महीने की यह छोटी बचत धीरे-धीरे एक बड़े फंड में बदल जाती है। यही फंड भविष्य में किसी इमरजेंसी में आपकी सबसे बड़ी ताकत बनता है। बचत करने से न सिर्फ आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, बल्कि आपको मानसिक शांति और आत्मविश्वास भी मिलता है।

समय-समय पर खर्च की समीक्षा करें

- फाइनेंशियल प्लानिंग कोई एक बार का काम नहीं है, बल्कि यह एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।
- हर 2–3 महीने में अपने खर्चों की समीक्षा जरूर करें। देखें कि कहां ज्यादा खर्च हो रहा है, किन चीजों को कम किया जा सकता है और बचत बढ़ाने के क्या मौके हैं। बड़े बदलाव करने की बजाय छोटे-छोटे सुधार करें, जैसे बाहर खाने की आदत कम करना या अनावश्यक सब्सक्रिप्शन बंद करना। ये छोटे बदलाव लंबे समय में बड़ा असर डालते हैं।

समझदारी से खर्च, बेहतर भविष्य

पैसों को संभालना कोई मुश्किल काम नहीं है। इसके लिए सिर्फ जागरूकता और अनुशासन की जरूरत होती है। जब आप अपनी जरूरतों को समझते हैं, इच्छाओं को नियंत्रित करते हैं और हर रुपये का सही इस्तेमाल करते हैं, तो धीरे-धीरे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है। महीने के अंत में खाली जेब की चिंता तभी खत्म होती है, जब आप अपने पैसों पर नियंत्रण पा लेते हैं। याद रखें पैसा कमाना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे सही तरीके से संभालना ही असली समझदारी है। यही छोटी-छोटी आदतें आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर जीवन में सुकून दिला सकती हैं।

सैलरी पर भरोसा काफी नहीं, मुश्किल समय में बैकअप ही असली सुरक्षा

- एसआईपी और आरडी से आसान है इमरजेंसी फंड तैयार करना
- निवेश नहीं, इसका जरूरत के समय काम आना है मुख्य मकसद
- लिक्विड फंड ही दे सकता है सही समय पर बड़ी राहत

बचत मंत्र

बिजनेस डेस्क

आज के समय में नियमित सैलरी को लोग आर्थिक स्थिरता का प्रतीक मानते हैं, लेकिन हकीकत इससे काफी अलग है। बाहर से सुरक्षित दिखने वाली नौकरीपेशा जिंदगी अंदर से कई बार बेहद कमजोर होती है। एक छोटी सी समस्या जैसे नौकरी छूटना, मेडिकल इमरजेंसी या सैलरी में देरी पूरे वित्तीय संतुलन को बिगाड़ सकती है। यही वजह है कि वित्तीय विशेषज्ञ लगातार इमरजेंसी फंड बनाने पर जोर दे रहे हैं। जानकारों का कहना है कि बिना इमरजेंसी फंड के सैलरी पर निर्भर रहना वैसा ही है जैसे बिना स्टेपनी (स्पेयर टायर) के गाड़ी चलाना। जब तक सब कुछ ठीक चलता है, तब तक कोई समस्या नहीं दिखती, लेकिन जैसे ही रास्ते में दिक्कत आती है, पूरा सफर रुक जाता है।

इमरजेंसी फंड क्यों जरूरी

इमरजेंसी फंड एक ऐसा वित्तीय सुरक्षा कवच है, जो अचानक आने वाली परिस्थितियों में आपको कर्ज लेने से बचाता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि उनकी आय का मुख्य स्रोत एक ही होता है मासिक सैलरी। हर व्यक्ति के पास कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड होना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी परिवार का मासिक खर्च 40,000 रुपये है, तो उसे कम से कम 2.4 लाख रुपये का फंड तैयार रखना चाहिए। यह राशि किसी ऐसे माध्यम में होनी चाहिए, जहां से जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा निकाला जा सके जैसे सेविंग अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉजिट।

कर्ज के जाल में फंसने का खतरा

इमरजेंसी फंड न होने का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि मुश्किल समय में लोगों को कर्ज का सहारा लेना पड़ता है। आंकड़ों के अनुसार, करीब 70% नौकरीपेशा भारतीयों के पास कोई लिक्विड बैकअप नहीं होता। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो लोग क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन का सहारा लेते हैं। यह कर्ज सस्ता नहीं होता। कई बार क्रेडिट कार्ड पर ब्याज दर 30% से 36% तक पहुंच जाती है। इसका असर यह होता है कि एक छोटी सी समस्या धीरे-धीरे बड़े कर्ज में बदल जाती है। नई नौकरी मिलने तक कर्ज बढ़ता जाता है और उसे चुकाने में कई साल लग जाते हैं।

धीरे-धीरे बनाएं इमरजेंसी फंड

अक्सर लोग सोचते हैं कि इमरजेंसी फंड बनाने के लिए एक साथ बड़ी रकम चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं है। धीरे-धीरे तैयार किया जा सकता है।

कुछ आसान तरीके

- हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी या रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) शुरू करें
- बचत को ऑटोमेट करें, ताकि नियमितता बनी रहे
- बोनस या अतिरिक्त आय का कुछ हिस्सा इसमें जोड़ें
- अनावश्यक खर्चों को कम करके बचत बढ़ाएं
- समय के साथ यह छोटी-छोटी बचत एक मजबूत फंड में बदल जाती है, जो किसी भी संकट में आपकी मदद कर सकता है।

निवेश नहीं, सुरक्षा है प्राथमिक उद्देश्य

इमरजेंसी फंड को निवेश के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसका उद्देश्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर तुरंत उपलब्ध होना है। इसलिए इसे ऐसे विकल्पों में रखना बेहतर होता है जहां लिक्विडिटी बनी रहे और पैसा तुरंत निकाला जा सके। कई लोग ज्यादा रिटर्न के चक्कर में इसे शेयर बाजार या लंबी अवधि के निवेश में डाल देते हैं, जो गलत रणनीति हो सकती है। इमरजेंसी में समय सबसे अहम होता है, और ऐसे में देरी या नुकसान दोनों ही परेशानी बढ़ा सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश 57% घटा सिल्वर से भी लगातार निकासी

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

मार्च 2026 में कमोडिटी आधारित निवेश विकल्पों में सुस्ती देखने को मिली है। गोल्ड ईटीएफ में जहां निवेश 57% घटकर 2,265 करोड़ रुपये रह गया, वहीं सिल्वर ईटीएफ से लगातार दूसरे महीने भी निकासी दर्ज की गई। यह ट्रेंड बताता है कि निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट के बावजूद लंबी अवधि में सोना अब भी एक मजबूत निवेश विकल्प बना हुआ है, जबकि सिल्वर में समझदारी से और चरणबद्ध निवेश की जरूरत है।

गोल्ड ईटीएफ में इनफ्लो घटा, दिलचस्पी बरकरार

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी के 5,254 करोड़ के मुकाबले मार्च में गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,265 करोड़ रुपये रह गया। यह 57% की बड़ी गिरावट है। हालांकि, यह ध्यान देने वाली बात है कि इनफ्लो पूरी तरह रुका नहीं है, बल्कि इसकी गति धीमी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार, साल की शुरुआत में तेज निवेश के बाद अब बाजार सामान्य स्थिति में लौट रहा है, जिससे नए निवेश में थोड़ी कमी आई है।

कमोडिटी ईटीएफ में कमजोरी के बीच निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति

सिल्वर ईटीएफ से लगातार दूसरे महीने निकासी

सिल्वर ईटीएफ में निवेशकों का भरोसा फिलहाल कमजोर होता दिख रहा है। मार्च में 683 करोड़ रुपये का आउटफ्लो हुआ, जबकि फरवरी में 826 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई थी। यह लगातार दूसरा महीना है जब निवेशकों ने सिल्वर से पैसा निकाला है। इसका मुख्य कारण सिल्वर की अधिक अस्थिरता और हालिया गिरावट मानी जा रही है।
कमोडिटी ईटीएफ का प्रदर्शन रहा कमजोर मार्च महीने में कमोडिटी ईटीएफ का प्रदर्शन व्यापक रूप से कमजोर रहा। कुल 43 कमोडिटी ईटीएफ में से सभी ने नेगेटिव रिटर्न दिया।

सिल्वर ईटीएफ में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली

- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ: करीब 14.72% की गिरावट
- डीएसपी सिल्वर ईटीएफ: 13.96% की गिरावट
- आदित्य बिड़ला एसएल सिल्वर ईटीएफ: 13.85% की गिरावट
- जेरोधा सिल्वर ईटीएफ: 13.81% की गिरावट
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ: 13.81% की गिरावट
- अन्य सिल्वर ईटीएफ में भी 11% से 13.80% तक की गिरावट दर्ज की गई।

गोल्ड ईटीएफ भी दबाव में

गोल्ड ईटीएफ भी इस गिरावट से अछूते नहीं रहे। मार्च में 25 गोल्ड ईटीएफ में 7.17% से 9.54% तक का नेगेटिव रिटर्न दर्ज किया गया। यह दर्शाता है कि सोना, जिसे आमतौर पर सुरक्षित निवेश माना जाता है, वह भी मौजूदा बाजार परिस्थितियों में दबाव में रहा। लंबी अवधि में सोना अभी भी मजबूत विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही शॉर्ट टर्म में सोने में उतार-चढ़ाव बना रहे, लेकिन मिड और लॉन्ग टर्म में इसकी संभावनाएं अभी भी सकारात्मक हैं।

इसके पीछे प्रमुख कारण

- वैश्विक अनिश्चितता
- महंगाई का दबाव
- सुरक्षित निवेश की मांग
- ऐसे में निवेशक गिरावट के समय धीरे-धीरे निवेश (बाई ऑन डिप्स) की रणनीति अपना सकते हैं।

सिल्वर में निवेशः सतर्कता और रणनीति जरूरी

सिल्वर की प्रकृति सोने की तुलना में ज्यादा अस्थिर होती है। यही कारण है कि इसमें अचानक तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिलती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सिल्वर में एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करना बेहतर है।

शॉर्ट टर्म में क्या रह सकता है ट्रेंड?

- रिपोर्ट्स के अनुसार, शॉर्ट टर्म में सोने की कीमतें एक सीमित दायरे में रह सकती हैं। इसके पीछे कारण हैं:
- अमेरिका में ब्याज दरों में स्थिरता
- मजबूत डॉलर
- ऊंची बॉन्ड यील्ड
- इन वजहों से सोने की कीमतों में करीब 5% तक का उतार-चढ़ाव संभव है।

निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति?

- गोल्ड में गिरावट पर धीरे-धीरे निवेश करें
- सिल्वर में एकमुश्त निवेश से बचें
- एसआईपी या स्टैगर्ड तरीका अपनाएं
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं, लॉन्ग टर्म पर फोकस रखें

फिलहाल दबाव बना

मार्च 2026 के आंकड़े बताते हैं कि कमोडिटी ईटीएफ, खासकर गोल्ड और सिल्वर में फिलहाल दबाव बना हुआ है। हालांकि, यह गिरावट स्थायी नहीं मानी जा रही। सोना अभी भी लंबी अवधि के लिए एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बना हुआ है, जबकि सिल्वर में सावधानी और सही रणनीति के साथ निवेश करना जरूरी है। निवेशकों के लिए यह समय घबराने का नहीं, बल्कि समझदारी से कदम उठाने का है। सही रणनीति और धैर्य के साथ किया गया निवेश भविष्य में बेहतर रिटर्न दे सकता है।

फ्लेक्सी कैप फंड्स बने निवेशकों की पहली पसंद, पैसिव फंड्स में भी तेजी

मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 56% बढ़कर 40,450 करोड़

- फ्लेक्सी कैप फंड्स में सबसे ज्यादा 10,054 करोड़ का इनफ्लो
- पैसिव फंड्स में भी दिखाई दी 122 प्रतिशत तक की उछाल

बिजनेस डेस्क

मार्च 2026 में म्यूचुअल फंड निवेश के रुझानों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 56% की तेज बढ़त के साथ 40,450 करोड़ तक पहुंच गया, जो निवेशकों के मजबूत होते भरोसे का संकेत है। खासकर फ्लेक्सी कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरे, जबकि मिड कैप और स्मॉल कैप फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखा गया। इसके विपरीत, डेट और हाइब्रिड फंड्स से बड़ी मात्रा में निकासी हुई, जो बाजार में बदलती रणनीति को दर्शाती है। वहीं, कम लागत और पारदर्शिता के चलते इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ जैसे पैसिव फंड्स में निवेश में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। यह ट्रेंड साफ संकेत देता है कि निवेशक अब अधिक जागरूक होकर लॉन्ग टर्म ग्रोथ और बेहतर रिटर्न के लिए अपने पोर्टफोलियो में बदलाव कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में निवेश के पैटर्न और भी स्पष्ट हो सकते हैं।

इक्विटी फंड्स में 56% की छलांग

मार्च महीने में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल 40,450 करोड़ रुपये का इनफ्लो दर्ज किया गया, जो फरवरी के 25,977 करोड़ रुपये के मुकाबले 56% अधिक है। सालाना आधार पर भी इसमें 61% की बढ़त देखने को मिली, जो निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। इस उछाल के पीछे कई कारण माने जा रहे हैं जैसे बाजार में स्थिरता, लंबी अवधि के निवेश का बढ़ता ट्रेंड और एसआईपी के जरिए नियमित निवेश।

फ्लेक्सी कैप फंड्स ने मारी बाजी

इक्विटी फंड्स की 11 सब-कैटेगरी में से फ्लेक्सी कैप फंड्स सबसे आगे रहे। मार्च में इनमें 10,054 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह लगातार दूसरा महीना है जब इस कैटेगरी में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का इनफ्लो दर्ज हुआ है। फ्लेक्सीकैप फंड्स की खासियत यह है कि ये बाजार की स्थिति के अनुसार लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयरों में लचीलापन रखते हैं, जिससे जोखिम और रिटर्न का बेहतर संतुलन मिलता है।

मिडकैप-स्मॉलकैप फंड्स में भी दम

- स्मॉलकैप फंड्स : 6,263 करोड़ रुपये का इनफ्लो
- मिडकैप फंड्स : 6,063 करोड़ का इनफ्लो रुपये
- इन दोनों कैटेगरी में भी निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही। खासकर स्मॉलकैप फंड्स में 61% और मिडकैप में 51% की मासिक बढ़त दर्ज की गई, जो हाई-रिस्क, हाई-रिटर्न रणनीति की ओर इशारा करती है।

वैल्यू और फोकस्ड फंड्स में तेज ग्रोथ

- मंथली आधार पर
- वैल्यू/कॉन्ट्रा फंड्स: 196% वृद्धि
- फोकस्ड फंड्स: 169% वृद्धि
- हालांकि कुल इनफ्लो के मामले में वैल्यू/कॉन्ट्रा फंड्स सबसे नीचे रहे, जहां 2,155 करोड़ रुपये का निवेश आया।

ईएलएसएस और डिविडेंड फंड्स से निकासी

- मार्च में कुछ इक्विटी कैटेगरी में निवेशकों ने मुनाफावसूली भी की:
- ईएलएसएस फंड्स: 437 करोड़ का आउटफ्लो
- डिविडेंड फंड्स: 59.21 करोड़ का आउटफ्लो
- संकेत देता है कि निवेशक टैक्स सेविंग या डिविडेंड आधारित रणनीतियों से हटकर ग्रोथ-ओरिएंटेड फंड्स की ओर बढ़ रहे।

डेट फंड्स से भारी निकासी

- 2.94 लाख करोड़ का आउटफ्लो, लिक्विड फंड्स सबसे ज्यादा प्रभावित
- मार्च में डेट म्यूचुअल फंड्स से कुल 2.94 लाख करोड़ की निकासी हुई, जो फरवरी के 42,106 करोड़ के रइनफ्लो उलट है।

सबसे ज्यादा निकासी इन कैटेगरी में

- लिक्विड फंड्स: 1.34 लाख करोड़ रुपये
- ओवरनाइट फंड्स: 40,227 करोड़ रुपये
- मनी मार्केट फंड्स: 29,206 करोड़ रुपये
- यह ट्रेंड अक्सर मार्च में देखा जाता है।

हाइब्रिड फंड्स में भी गिरावट

- मार्च में हाइब्रिड फंड्स से 16,538 करोड़ का आउटफ्लो हुआ, जबकि फरवरी में 11,983 करोड़ रुपये का इनफ्लो था।

इन कैटेगरी में आया पैसा?

- मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स : 5,212 करोड़ रुपये
- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स: हल्का पॉजिटिव इनफ्लो

सबसे ज्यादा निकासी

- आर्बिट्राज फंड्स : 21,113 करोड़ रुपये
- इक्विटी सेविंग्स फंड्स: 1,131 करोड़ रुपये
- यह दर्शाता है कि निवेशक कम-रिटर्न वाले या जटिल प्रोडक्ट्स से दूरी बना रहे।

खबर संक्षेप

जिला जेल में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर पर जिला जेल में महिला बंदियों और वृद्ध बंदियों के लिए विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर के दौरान पैनल अधिवक्ता राजिंदर कौर और अलका रानी ने महिला एवं वृद्ध बंदियों को सुरक्षित मातृत्व देखभाल, मुफ्त मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच तथा उपलब्ध शिकायत निवारण तंत्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

624 वाहनों की जांच व 278 के किए चालान

हिसार। जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा दिन-रात्रि के समय विशेष गश्त अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान कुल 624 वाहनों की बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 278 वाहन चालकों के चालान किए गए, जिनमे 4 ड्रिंकिंग के चालान किए।

फायर कर्मचारियों की हड़ताल को रोडवेज यूनियन का समर्थन

रोडवेज चालकों को दमकल विभाग में भेजना गलत : राजकुमार बीघड़

- हरियाणा रोडवेज का पूर्ण रूप से चक्का जाम करने की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। बैठक में चर्चा करते रोडवेज कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

दमकल विभाग के कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर की जा रही हड़ताल को रोडवेज कर्मचारियों ने भी अपना समर्थन दिया है। आज फतेहाबाद स्थित हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें यूनियन ने स्पष्ट किया कि वे दमकल विभाग के कर्मचारियों के दमन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे।

डिपो प्रधान राजकुमार बीघड़ की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक का संचालन सूबे सिंह धनाना ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सरकार की हड़ताल कुचलने की नीति का पुरजोर विरोध किया जाएगा। यूनियन नेताओं ने इस बात पर कड़ा ऐतराज जताया कि सरकार दमकल कर्मियों की हड़ताल को निष्प्रभावी करने के लिए हरियाणा रोडवेज के चालकों को अग्निशमन गाड़ियां चलाने के लिए बुला रही है। डिपो प्रधान राजकुमार बीघड़ और सचिव सूबे सिंह धनाना ने कहा कि दमकल विभाग के कर्मचारी लंबे समय से अपनी जायज मांगों के लिए संघर्षरत हैं। उनकी मांग है कि फरीदाबाद औद्योगिक क्षेत्र के अग्निकांड में शहीद हुए दो कर्मचारियों के आश्रितों को 1-1 करोड़ रुपये का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को पक्की सरकारी नौकरी दी जाए। पुलिस की तर्ज पर दमकल कर्मियों को भी हर महीने 5000 रुपये जोखिम भत्ता दिया जाए। सभी कर्मचारियों को पक्का कर्मचारी घोषित किया जाए, पुरानी पेंशन बहाल हो, और समय पर मेडिकल, वर्दी व धुलाई भत्ता प्रदान किया जाए। रोडवेज नेताओं ने कहा कि सरकार बार-बार यूनियन नेताओं से वार्ता तो करती है, लेकिन मानी गई मांगों को लागू करने के बजाय पीछे हट रही है। रोडवेज के पास पहले ही कर्मचारियों की कमी है और जनता को सेवा देने के लिए स्टाफ कम पड़ रहा है, ऐसे में रोडवेज चालकों को दमकल विभाग में भेजना पूरी तरह गलत है। रोडवेज यूनियन ने सरकार को कड़ा अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि सरकार ने दमकल विभाग के कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक वार्ता कर हड़ताल समाप्त नहीं करवाई, तो आगामी दिनों में तमाम सरकारी विभागों के साथ मिलकर हरियाणा रोडवेज का पूर्ण रूप से चक्का जाम किया जाएगा।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर जोगिंदर रेडू, वीरेंद्र कुलेरी, सुनील, इंद्रपाल, सुरेश फौजी, कृष्ण फौजी, रवि कुमार, सुरेश पेटवाड़, जोगिंदर सोनी, पवन गोदारा, जितेंद्र कुमार, अरुण कुमार, चुनी लाल, राकेश कुमार और डॉ. सुरेंद्र कुमार सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिरसा। विभिन्न मांगों को लेकर धरनारत फायर ब्रिगेड कर्मचारी।

मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा संघर्ष: राजेश खिचड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

- हादसे के बाद अभिभावकों को मुआवजा देने को लेकर सरकार कर रही टाल-मटोल

अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के कर्मचारियों की राज्यव्यापी हड़ताल शनिवार चौथे दिन भी जारी रही। हड़ताली कर्मचारियों को संबोधित करते हुए जिला प्रधान राजेश खिचड़ व सर्व कर्मचारी संघ जिला प्रेस सचिव अजय पासी ने बताया कि फरीदाबाद स्टील फैक्टरी में लगी आग को बुझाते समय फायर कर्मचारी रणवीर सिंह व भावीचांद शर्मा झुलस गए थे, जिसे उनकी शहादत हो गई थी।

अब हादसे के बाद अभिभावकों को मुआवजा देने को लेकर सरकार टाल-मटोल कर रही है। यूनियन की मांग है कि सरकार पीड़ित के अभिभावकों को एक-एक करोड़ की राशि एक-एक सदस्य को नौकरी और शहीद का दर्जा दिया जाए। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि फरवरी में फरीदाबाद भाषण अग्निकांड में केमिकल ड्रम में हुए विस्फोट से दो दमकल कर्मचारियों की जान चली गई थी, लेकिन सरकार सहायता देने के नाम पर खानापूर्ति कर रहीं है। जब तक सरकार मृतक कर्मचारियों के परिवार के एक-एक सदस्य को नौकरी और शहीदों का दर्जा सहित अन्य मांगों को पूरा नहीं करती, तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। सभा को एसएस बेदी, महेंद्र शर्मा, बलवंत सहारण, सुरेंद्र रंधावा, बलराम, रामकुमार, रोहताश, सत्यम, बलबीर बूटर, राकेश, श्रवण, सुरेंद्र पाल आदि मौजूद थे।

केबल चोरी मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार, 5 किलो तार बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

- वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान जारी

जिला पुलिस द्वारा चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सदर टोहाना पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस ने जमालपुर शेखां के खेतों से बिजली के तार चोरी करने के मामले में गिरोह के तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी के पास से चोरी किया गया माल भी बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमन उर्फ तमनी निवासी गांव अकंवाली के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज चुकी है। थाना सदर टोहाना प्रभारी उप-निरीक्षक सादीराम ने बताया कि गांव जमालपुर शेखां निवासी कुलदीप सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में बताया गया था कि 6 अप्रैल की रात को उसके और गांव के अन्य किसानों के खेतों में लगी बिजली की मोटरों के तार अज्ञात चोरों ने काट लिए थे। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और जांच को आगे बढ़ाते हुए तीसरे आरोपी अमन उर्फ तमनी को काबू किया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई 5 किलोग्राम कॉपर की तार बरामद की है।

भागवत कथा के छठे दिन कृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग ने बांधा समा, भक्ति में झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

भूना। मुख्य यजमान सिंगला परिवार को सम्मानित करते हुए कथा आयोजनकर्ता।

गणेश कॉलोनी में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के छठे दिन शनिवार को भजन-कीर्तन की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए। वृंदावन से पधारी कथा व्यास साध्वी यमुना दीदी मां ने अपने प्रवचनों में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और दिव्य चरित्र का विस्तार से वर्णन किया, जिसे सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भावनाओं में डूब गए।

कथा के छठे दिन का मुख्य आकर्षण भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी विवाह का प्रसंग रहा, जिसे अत्यंत भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया गया। कथा वाचक ने महारास लीला, कंस वध और गोपी गीत का भी वर्णन किया। विशेष रूप से रुक्मिणी हरण और विवाह की झांकी ने माहौल को भक्तिमय बना दिया, जहां श्रद्धालु झूमते और भक्ति में लीन नजर आए। इस प्रसंग के माध्यम से प्रेम, समर्पण और अटूट विश्वास का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में मास्टर गुलाब सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी संतोष देवी, मुकेश सिंगला व उनकी धर्मपत्नी अमिता सिंगला ने विधिवत पूजा-अर्चना कर कथा में सहभागिता निभाई। शनिवार को कथा आरंभ होने से पहले साध्वी यमुना दीदी मां ने श्री गोपाल कृष्ण गौशाला में पहुंचकर गायों को गुड़ व हरा चारा खिलाया। गौशाला कमेटी के सदस्यों ने स्वागत करके आशीर्वाद प्राप्त किया।

इन्होंने सुनी कथा

इस अवसर पर कथा आयोजक अशोक कत्याल, जुगल किशोर ढींगड़ा, पूजा कत्याल, युक्ता ढींगड़ा, पीडी शर्मा, अजय मेहता, वीरेंद्र शर्मा, पूर्व सरपंच सुखदेव सिंह, राजेश जांगड़ा, बलवान गोदारा, सतपाल शर्मा, लक्ष्मी नारायण, इंदिरा शर्मा, सुमित्रा शर्मा, कमला शर्मा, रानी देवी, सोना देवी, सुनीति आर्या, बक्शा राम मेहता, मनीषा व निकिता शर्मा, लक्षिता, पिंकी, सोनू, सुधीर यादव सहित अनेक श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

पुलिस ने डोडा पोस्त के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

- सूचना के आधार पर पुलिस ने की कार्रवाई

एंटी नारकोटिक सेल फतेहाबाद पुलिस की टीम ने एक व्यक्ति को भारी मात्रा में कचरा डोडा पोस्त के साथ रंगे हाथों काबू किया है। एएनसी सेल फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक साधु राम ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान हंसपुर-नागपुर रोड पर कैची मोड़ के पास मौजूद थी।

इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति हजरावा कलां के पास नुरकी-अहली रोड टी-प्वाइंट पर भारी मात्रा में नशीला पदार्थ लेकर खड़ा है और किसी ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत टीम तैयार कर मौके पर छापेमारी की। पुलिस को देखकर मौके पर खड़ा व्यक्ति घबराकर भागने की कोशिश करने लगा, जिसे टीम ने घेराबंदी कर काबू कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान हरजीत सिंह उर्फ मामा निवासी हिजरावां कलां के रूप में हुई। जब नियमानुसार उसकी तलाशी ली गई, तो उसके कब्जे से 5 किलोग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सदर फतेहाबाद में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

कार स्कूटी की टक्कर में परीक्षा देने जा रही 3 बहनें घायल

हांसी। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गीता चौक के समीप शनिवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में 12वीं कक्षा की प्रैक्टिकल परीक्षा देने हिसार जा रही तीन सगी बहनें घायल हो गईं। हादसे के बाद कार चालक ने तीनों बहनों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार किया गया तथा एक छात्रा की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद हिसार रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने नागरिक अस्पताल पहुंच घायलों के बयान दर्ज कर मामले की जांच आरंभ कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार हांसी निवासी नंदिनी, सेजल और दिव्या शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे स्कूटी पर सवार होकर अपनी 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षा देने के लिए स्कूटी पर सवार होकर घर से निकली थीं। जैसे ही उनकी स्कूटी गीता चौक के पास पहुंची तो पीछे से आ रही एक कार ने उनकी स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों बहनें स्कूटी से उछल कर सड़क पर जा गिरी और घायल हो गईं। हादसे के बाद कार चालक ने तीनों घायल बहनों को तुरंत नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। हादसे में नंदिनी के पैर में गंभीर चोट आई है, जिसके चलते प्राथमिक उपचार के बाद नंदिनी को हिसार रेफर कर दिया। लेकिन परिजनों ने उसे हांसी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है वहीं सेजल के चेहरे और सिर पर चोटें लगी हैं। दिव्या को भी हल्की चोटें आई हैं।

नशीली गोलियों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

सीआईए टोहाना की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए स्टाफ टोहाना ने नशीली गोलियों के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि उनकी टीम गश्त के दौरान टोहाना-रतिया रोड पर तैनात थी। इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि दो युवक स्कूटी पर सवार होकर नशीली गोलियों की सप्लाई करने की फिराक में खड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत एक टीम गठित कर बताए गए स्थान पर दबिश दी। पुलिस टीम ने नए बाईपास टी-प्वाइंट के पास घेराबंदी कर स्कूटी सवार दो युवकों को काबू किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान निखिल वर्मा निवासी हिसार और हर्ष वर्मा निवासी चूरू, राजस्थान के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर उनके पास से एल्प्राजोलम की 115 स्ट्रिप्स बरामद हुईं, जिनमें कुल 1150 नशीली गोलियां थीं। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ थाना शहर टोहाना में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी यह नशीली गोलियां कहां से लाए थे और इन्हें आगे किसे सप्लाई किया जाना था। पुलिस प्रशासन का कहना है कि नशा तस्करों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

10 पेटी देसी शराब सहित आरोपी पकड़ा

हिसार। मंगाली चौकी पुलिस ने 10 पेटी शराब सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कैमरी गांव के जितेन्द्र उर्फ डॉन के रूप में हुई है। मंगाली चौकी के जांच अधिकारी एएसआई कर्मबीर के अनुसार आजाद नगर थाना पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव कैमरी के बस स्टैंड पर मौजूद थी। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि कैमरी निवासी जितेंद्र उर्फ डॉन अपने घर से अवैध शराब बेचने का काला कारोबार कर रहा है।सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने आरोपी के घर छापा मारा। तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से कुल 10 पेटी, जिसमें 7 पेटी मार्का मस्ती माल्टा व 3 पेटी मार्का शहनाई बरामद की।

अवैध पिस्तौल व कारतूस सहित एक गिरफ्तार : सीआईए मिल गेट टीम ने एक व्यक्ति अवैध पिस्तौल व 2 कारतूस समेत गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सातरोड निवासी मोहित उर्फ बच्ची को काबू किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 32 बोर का एक अवैध पिस्तोल व 2 कारतूस बरामद हुए।

नशीले पदार्थ के साथ एक काबू

हांसी। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान सीआईए-2 पुलिस ने नशीला पदार्थ हेरोइन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सिसाय बोलान निवासी प्रदीप के रूप में हुई है। उप निरीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि गश्त पड़ताल के दौरान पुलिस टीम ने हांसी-नारनौंद रोड़ स्थित टी-प्वाइंट पर नाकाबंदी की हुई थी। इस दौरान कुछ समय बाद सिसाय की ओर से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया, जो पुलिस को सामने देखकर तेज कदमों से वापस जाने लगा तो संदेह के आधार पर पुलिस ने उसे काबू कर तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 4.26 ग्राम नशीला पदार्थ हेरोइन बरामद हुआ,नशीले पदार्थ को पुलिस ने कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ सदर थाना हांसी में मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है।

विवाहिता ने फंदे पर लटक कर की आत्महत्या, दहेज प्रताड़ना का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

उपमंडल के गांव जमावड़ी में एक 25 वर्षीय विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान प्रीति के रूप में हुई है, जो एक साल के बच्चे की मां थी। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को फंदे से उतार पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां मृतका के पिता ओमप्रकाश की शिकायत के आधार पर पति सहित 6 अन्य नामजद के खिलाफ मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप मामले की जांच आरंभ कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में प्रीति के पिता ओमप्रकाश ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी प्रीति की शादी 29 नवंबर 2023 को गांव जमावड़ी निवासी सोनू से की थी। लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग प्रीति को दहेज के लिए परेशान करते थे और दहेज को लेकर उसके साथ मारपीट करते थे। शिकायत में कहा गया है कि ससुराल पक्ष ने मार्च में भी 5 लाख रुपये की मांग करते हुए प्रीति के साथ मारपीट की गई थी। इसके बाद 10 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे परिवार को सूचना मिली कि प्रीति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

ससुराल पक्ष का दावा, घटना के समय कोई नहीं था घर पर

दूसरी ओर ससुराल पक्ष का कहना है कि मृतका का पति सोनू रोहतक में एक निजी कंपनी में काम करता है और ससुर रामकुमार लकवाग्रस्त हैं जबकि प्रीति का जेठ अनूप अपने परिवार के साथ फरीदाबाद में रहते हैं। ससुराल पक्ष के अनुसार, घटना के समय घर में अन्य सदस्य भी मौजूद नहीं थे। बताया जा रहा है कि प्रीति हांसी क्षेत्र के एक निजी स्कूल में अध्यापिका के रूप में कार्यरत थी। प्रीति की मौत की सूचना उपरांत शनिवार सुबह से ही नागरिक अस्पताल में दोनों पक्षों के लोग एकत्रित हो गए और दोनों पक्षों के बीच समझौते के प्रयास किए गए।

पोस्टमार्टम आधार पर होगी कार्रवाई

सदर थाना प्रभारी पवित्र सिंह ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

रमेश बने प्रेस क्लब रानियां के प्रधान

रानियां। प्रैस क्लब रानियां के सदस्यों ने शनिवार को अनाज मंडी स्थित एक प्रतिष्ठान पर बैठक कर नई कार्यकारिणी का गठन किया है। क्लब के संरक्षक संजय सिंगला की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से वरिष्ठ पत्रकार रमेश डाबर को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया है। बैठक में कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र विर्क सलाहकार के पद पर, संजय सैनी को उपाध्यक्ष, दीपक मेहता को महासचिव, नरेश जैन को कोषाध्यक्ष, राजेंद्र गाबा को सचिव और अमन बंसल को सह सचिव पद पर मनोनीत किया गया है।

गुजवि विद्यार्थियों ने दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट में किया शैक्षिक भ्रमण

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट में एक विस्तृत शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के प्रोफेसर डॉ. गौरव शर्मा, डॉ. विजेता एवं डॉ. मनीष भी उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। इस शैक्षिक भ्रमण में एम.ए. मनोविज्ञान, पीजीडीसी डिप्लोमा इन साइकोलॉजी तथा एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। विद्यार्थियों को मनोविज्ञान के क्षेत्र में विकसित हो रही नई पद्धतियों एवं आधुनिक थेरेपी तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं जैसे मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, साइकोलॉजिकल टेस्टिंग, विशेष शिक्षा, व्यवहार चिकित्सा, स्पीच थेरेपी तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से बताया गया। ट्रस्ट के संयोजक राजपाल सिंह बासनीवाल ने कहा कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण, विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उन्हें एक जिम्मेदार और कुशल पेशेवर बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

सीडीएलयू के विदाई समारोह में विद्यार्थियों ने दी आकर्षक प्रस्तुतियां

अमित मिस्टर और शाइस्ता बनी मिस फेयरवेल

- कमल मेहता की कविता तथा सुशील बाना की शायरी ने सभी का मन मोह लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

सिरसा। विभिन्न खिताबों से नवाजे गए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

चौधरी देवीलाल राजकीय इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान, पन्नीवाला मोटा में बीटेक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य प्रो. जगदीश कुमार ने किया गया। इस अवसर पर संस्थान के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। समारोह में कमल मेहता की कविता तथा सुशील बाना की शायरी ने सभी का मन मोह लिया। अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने संस्थान में बिताए अपने चार वर्षों के अनुभव सांझा किए, जिससे वातावरण भावुक हो उठा। इस दौरान निदेशक-प्रधानाचार्य प्रो. जगदीश कुमार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भविष्य में उन्हें रोजगार एवं उच्च शिक्षा के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी मेहनत, ईमानदारी एवं लगन से कार्य करते हुए समाज सेवा के माध्यम से संस्थान का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन राहुल, अभिषेक, नीतिन, तनुश्री, खुशप्रीत एवं अंजली ने किया। समारोह में अमित को मिस्टर फेयरवेल तथा शाइस्ता को मिस फेयरवेल चुना गया। वहीं छिंदर कौर को सर्वश्रेष्ठ परिधान का पुरस्कार प्रदान किया गया तथा अंकित और अरशशिखा को स्टार्स ऑफ द इवेंट घोषित किया गया।

ये रहे उपस्थित

यह आयोजन श्रुति आर्या, डॉ. मंजू देवी एवं रिंकू गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. श्याम सुंदर, डॉ. मीना कुमारी, डॉ. रुबरिंद्र सिंह, डॉ. रजनी कंबोज, डॉ. विकास गुप्ता, पवन कुमार, पुनीत चावला, डॉ. अन्नु बाला, रूबी सठियाला सहित संस्थान के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

बराला ने जाखल मंडी में किया को-ऑपरेटिव सोसायटी का शुभारंभ

टोहाना। जाखल मंडी में जय महालक्ष्मी को-ऑपरेटिव पैराइमेरी मार्केटिंग कम प्रोसेसिंग सोसायटी' का शुभारंभ राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने किया। सांसद बराला गांव-बस्ती चलो अभियान के तहत इस कार्यक्रम में पहुंचे। भाजपा द्वारा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 7 से 12 अप्रैल तक 'गांव-बस्ती चलो अभियान' एक विशेष जनसंपर्क पहल के रूप में संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत सांसद लगातार गांवों व बस्तियों का दौरा कर आमजन से संवाद कर रहे हैं व केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। सांसद ने कहा कि इस सोसायटी के शुरू होने से क्षेत्र के किसानों और व्यापारियों को एक मजबूत मंच मिलेगा।

महिला कॉलेज में छात्राओं को दी भावभीनी विदाई

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में साइंस एवं कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा अंतिम वर्ष की छात्राओं के सम्मान में एक भव्य एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इन प्रस्तुतियों में नृत्य, गीत, कविताएं एवं लघु नाटिकाएं शामिल रहीं, जिन्होंने सभी उपस्थितजनों का मन मोह लिया। छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कार्यक्रम में जीवंतता भर दी। समारोह के मुख्य आकर्षण के रूप में विभिन्न प्रतिभाओं एवं व्यक्तित्व के आधार पर छात्राओं को सम्मानित किया गया। सोनिया को मिस फेरशर, अक्शदीप कौर को मिस फेयरवल, खुशी को मिस ईव, चेष्टा को मिस चार्मिंग, स्वरुप को मिस पर्सनलिटी व महक को मिस एलीजेंट का खिताब प्रदान किया।

चेयरमैन ने नागपुर परचेज सेंटर का किया निरीक्षण

रतिया। मार्केट कमेटी रतिया के चेयरमैन राज कुमार मेहता ने गांव नागपुर स्थित परचेज सेंटर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में खरीद प्रबंधन, बायोमेट्रिक मशीन की कार्यप्रणाली और किसानों के लिए सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान चेयरमैन ने किसानों से सीधा संवाद किया और उनसे समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों की सुविधाओं में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राज कुमार मेहता ने मौके पर मौजूद मार्केट कमेटी के कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि किसानों की फसल की खरीद और उठान में तेजी लाई जाए।

हेरोइन तस्करी में वांछित मुख्य तस्कर गिरफ्तार

कालांवाली। सीआईए कालांवाली ने 503 ग्राम हेरोइन बरामदगी मामले में वांछित मुख्य तस्कर गुरकिरपाल सिंह को बठिंडा से काबू किया है। सीआईए कालांवाली प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने डबवाली से कालांवाली रोड भारतमाला पुल क्षेत्र में कार सवार तीन लोगों से हेरोइन बरामद की थी। आरोपियों के खिलाफ थाना शहर डबवाली में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। आरोपियों से प्रारंभिक पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि उक्त आरोपियों से बरामद हैरोइन उन्हें उक्त आरोपी गुरकिरपाल सिंह उर्फ वरुण ने ही सप्लाई की थी। पुलिस ने मुख्य स्तकर को भी गिरफ्तार किया है।

सिरसा क्लब में मेगा हेल्थ चेकअप कैंप आज

सिरसा। सिरसा क्लब की ओर से मेगा हेल्थ चेकअप कैंप 12 अप्रैल को क्लब परिसर में आयोजित होगा। क्लब के वाइस प्रेजीडेंट सुभाष गुंबर व रामकृष्ण गोयल ने संयुक्त रूप से बताया कि इस कैंप में डायबिटीज प्रोफाइल, सीबीसी, लिवर एवं किडनी फंक्शन टेस्ट, लिपिड प्रोफाइल, थायरॉइड प्रोफाइल सहित अन्य आवश्यक जांच रियायती दरों पर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस कैंप में पहले पंजीकृत 100 मरीजों को ही जांच के लिए स्वीकार किया जाएगा।

15 तक मंडियों में गेहूं की आवक में आएगी तेजी, तीन एजेंसियां कर रही खरीद

मौसम साफ होने और तापमान बढ़ने से गेहूं कटाई ने जोर पकड़ा, कंबाइन की डिमांड बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। खेतों में गेहूं की कटाई करती कम्बाइन मशीन। फोटो : हरिभूमि

मार्च माह से बार-बार सक्रिए हुए पश्चिमी विक्षोभ के चलते बारिश व हवाएं चलने के बाद अब मौसम साफ हो गया है। पिछले तीन दिनों से अचानक तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जिस कारण खेतों में पककर तैयार खड़ी गेहूं की फसल की कटाई तेज हो गई। गेहूं कटाई का काम शुरू होते ही कम्बाइनों की डिमांड भी बढ़ गई है। गेहूं के अलावा मंडियों में सरसों की भी आवक हो रही है।

मौसम विभाग ने आगामी दिनों में उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है। शनिवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

मार्च मास में 5 से 6 बार पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हुआ तो बरसात व बादलवाई चलती रही, जिस कारण मार्च मास का महीना सामान्य से ठंडा रहा। यही वजह है कि पछेती गेहूं को कलाइमेट अनुकूल मिलने से वह पककर तैयार हो गई। अब अगेती व पछेती गेहूं की कटाई एक साथ होगी। अगेती गेहूं की फसल की कटाई का काम शनिवार से जिले में तेज हो गया है। गांव माजरा के किसान पहलवान जगदीश नायक, सुरेन्द्र नायक के खेतों में कम्बाईन से गेहूं कटाई का काम शुरू हो गया।

बता दें कि बारिश से अगेती गेहूं की फसल कुछ क्षेत्रों में बिछ गई थी। जहां पर ओलावृष्टि नहीं हुई, उन गांवों में अब गेहूं की फसल अच्छी पकी हुई है और इन क्षेत्रों में उत्पादन भी बढऩे के आसार है। तापमान में आई बढ़ोतरी से इसके नुकसान की आशंका भी कम हो गई है।

अब किसानों की गेहूं पककर कटने को तैयार हैं। इसके लिए खेतों में मजदूर व कम्बाईन लाने की तैयारियां चल रही हैं वहीं कुछ किसानों ने गेहूं कटाई शुरू भी कर दी है। माना जा रही है कि आने वाले 3-4 दिनों में मण्डियों में गेहूं की आवक जोर पकड़ लेगी। जिले में इस समय 75 हजार किसानों ने मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर गेहूं व सरसों का पंजीकरण करवा रखा है। बता दें कि जिले में करीब 80 हजार किसान है। अन्य किसानों द्वारा पंजीकरण न करवाने से उन्हें फसल बेचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

30 तक बंद रहेगी ग्रामीण फीडरों पर बिजली सप्लाई

खेतों में गेहूं की फसल पककर कटने को तैयार है तो विद्युत निगम ने 30 अप्रैल तक खेतों से गुजर रही ग्रामीण फीडरों की बिजली सप्लाई बंद कर दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में अब दिन की बजाय रात को बिजली दी जाएगी। इसकी वजह दिन के समय कम्बाईन से जब किसान गेहूं की कटाई कर रहे होते हैं तो कम्बाइन के ऊपर से गुजर रही हाइटेंशन तारें हवा में झूलकर टकरा जाती हैं जिससे अनहोनी का खतरा बना रहता है या फिर हवाएं चलने से तारों के आपस में टकराने व स्पार्किंग होने से गेहूं की फसल में आग लगने का खतरा बना रहता है। बीते वर्ष भी जिले में दर्जनों जगह गेहूं की फसल में आग लगने की घटनाएं घट चुकी हैं। एक तो धूप, ऊपर से पककर तैयार गेहूं बारूद की तरह ही आग को पकड़ती है।

हैफेड व वेयरहाउस को नहीं मिली सरसों

फतेहाबाद, भट्ट व भूना की अनाज मंडियों में इस समय सरसों की आवक भी हो रही है। इस बार खुले बाजार में सरसों के दाम एमएसपी से ज्यादा होने के चलते अभी तक हैफेड और वेयर हाऊस को सरसों नहीं मिली है जबकि जिले की तीनों मंडियों में अब तक 24 हजार क्विंटल सरसों की आवक हो चुकी है जोकि प्राइवेट व्यापारियों द्वारा ही खरीदी गई है। दरअसल इस बार सरकार द्वारा सरसों का एमएसपी 6200 रुपये निर्धारित किया गया है जबकि खुले बाजार में व्यापारी सरसों को 6500 रुपये प्रति क्विंटल तक खरीद रहे हैं।

एजेंसियों को गेहूं खरीद के दिन अलाट

सरकार की तरफ से गेहूं की सरकारी खरीद एक अप्रैल से शुरू हो चुकी है। मंडियों में गेहूं की आवक भी धीरे-धीरे तेज हो रही है। सरकार द्वारा निर्धारित नॉर्म्स के अनुसार गेहूं की खरीद की जा रही है। गेहूं खरीद को लेकर मण्डियों में पूरे प्रबंध कर लिए गए हैं। गेहूं को हैफेड, डीएफएससी, हरियाणा वेयर हाउस द्वारा खरीद की जाएगी। इन एजेंसियों को दिन अलाट कर दिए गए हैं। जिस एजेंसी की शनिवार को खरीद की जिम्मेवारी होगी, रविवार को भी वही एजेंसी गेहूं की खरीद करेगी।

-कुशाल बूरा, डीएफएससी, फतेहाबाद

फतेहाबाद। नई अनाज मंडी में गेहूं खरीद का जायजा लेते भाजपा जिलाध्यक्ष।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने नई अनाजमंडी में लिया फसल खरीद का जायजा, किसानों व व्यापारियों से की बातचीत

फतेहाबाद। भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने आज सिरसा रोड पर स्थित नई अनाजमंडी में पहुंचकर गेहूं फसल खरीद का निरीक्षण किया। उनके साथ मार्केट कमेटी के कई अधिकारी और कर्मचारी भी साथ मौजूद रहे। जोड़ा ने सबसे पहले मंडी में व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने फसल खरीद का निरीक्षण करते हुए व्यापारियों व किसानों से भी बातचीत की तथा उनकी समस्याएं जानी। फसल में नमी की मात्रा के बारे में भी अधिकारियों से बातचीत की तथा किसानों को जागरूक किया। जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों व व्यापारियों के प्रति हमेशा संवेदनशील और गंभीर रही है। किसानों का एक एक दाना सही समय पर खरीदा जाएगा। मंडियों में किसानों व व्यापारियों को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश सरकार किसानों व व्यापारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। सरकार ने प्रदेश में खरीद प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित तथा किसान हितैषी बनाने के लिए कई नई पहलें लागू की हैं। इन उपायों से फसल खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, अनधिकृत गतिविधियों पर रोक लगेगी तथा किसानों को सुविधाजनक और तेज सेवाएं मिलेंगी। श्री जोड़ा ने किसानों से आह्वान किया कि बारिश व ओलावृष्टि के कारण जिन किसान भाईयों की फसलों का नुक्सान हुआ है, वे जल्द से जल्द क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपना ब्यौरा दर्ज करवाएं, ताकि सरकार सही समय पर प्रभावित किसानों को मुआवजा उपलब्ध करवा सके। उन्होंने कहा कि मंडियों के सभी गेटों पर गेटपास आसानी से हो रही है। इसके साथ ही किसानों के लिए ऐप भी लॉन्च की हुई है। इस ऐप के माध्यम से अपना फोन पर किसान स्वयं भी गेटपास बना सकता है। इस अवसर पर मार्किट कमेटी वाइस चेयरमैन इंद्र गावड़ी, व्यापार मंडल प्रधान जगदीश भादू, जगदीश शर्मा, कंवल चौधरी, भूप सिंह सिगर, कुलदीप जिंदल, कुलदीप गर्ग, हंसराज सचदेवा, मंजीत शर्मा, रामकुमार मेहरा, भाजपा नेता संदीप ताखर मौजूद रहे।

■ प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों का एक एक दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है : प्रवीण जोड़ा

एसडीएम सुरेंद्र ने रतिया अनाज मंडी का दौरा कर फसल खरीद प्रक्रिया का लिया जायजा

रतिया। एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने रतिया अनाज मंडी का दौरा कर गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने मार्केट कमेटी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की सुविधा और सहायता प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। गेहूं की फसल की लिफ्टिंग तुरंत कराने और गेहूं की खरीद निर्धारित मानकों के अनुसार समय पर सुनिश्चित की जानी चाहिए। इस दौरान एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने मौके पर ही नमी मापक यंत्र का उपयोग करके फसल की नमी की जांच करवाई। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों और श्रमिकों के लिए स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। साथ ही सभी आवश्यक सुविधाओं का नियमित रखरखाव किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि मंडी परिसर में सफाई व्यवस्था दुरूस्त होनी चाहिए। उन्होंने किसानों से अपील की कि सभी किसान तय नमी के अनुरूप फसल सुखाकर मंडी में लाएं ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो। फसल में अधिक नमी होने से खरीद में देरी होने की संभावना होती है।

आढ़ती एसो. के प्रयास लाए रंग, नई अतिरिक्त मंडी में खरीद प्रक्रिया शुरू

सिरसा। आढ़ती एसोसिएशन मंडी सिरसा के प्रयास आखिरकार रंग लाए। गेहूं के सीजन में शहर में भारी भीड़ और जाम की स्थिति पैदा होने की वजह से मंडी एसोसिएशन और मार्केट कमेटी द्वारा नई अतिरिक्त मंडी (बाईपास) में गेहूं फसल गिरवाने और हैफेड जोन की खरीद प्रक्रिया का कार्य शुरू कर दिया गया। प्रधान प्रेम बजाज ने बताया कि जिस भी आढ़ती भाई के पास गेहूं फसल के लिए कम जगह है तो वह अपनी गेहूं फसल गिरवाने के लिए जो नई अतिरिक्त मंडी बाइपास पर है, वहां जगह लेने के लिए आढ़तियों को एसोसिएशन द्वारा निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस अतिरिक्त मंडी में बैठने की पुख्ता व्यवस्था, पीने के पानी की व्यवस्था, शौचालय की भी व्यवस्था कर दी गई है, ताकि किसानों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। यही नहीं इस मंडी में और भी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास जारी है। बजाज ने मंडी एसोसिएशन व किसानों की ओर से जिला उपायुक्त शांतनु शर्मा, मार्केटिंग बोर्ड के डीएमईओ राहुल कुंडू, मार्केट कमेटी सचिव वीरेंद्र मेहता का धन्यवाद किया। इस मौके पर उप प्रधान राजू सुधा, महासचिव राजेंद्र नढा, कोषाध्यक्ष कृष्ण गोयल, मार्केट कमेटी सह सचिव संदीप कुमार और रामचन्द्र, सतवीर कुमार, सुशील डूंगा बुंगा, पवन क बोज, वेद रहेजा, अशोक क बोज, अशोक संधा, अंकित बंसल सहित अन्य आढ़तीगण मौजूद रहे।

युद्ध रुकवाने या करने की ताकत रखती है कविता : जितेंद्र

■ बैसाखी पर सेंट जोसफ स्कूल में हुई कवि गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। बैसाखी पर आयोजित कवि गोष्ठी में अतिथियों को सम्मानित करते कला संस्कृति मंच सदस्य।

हरियाणा कला-संस्कृति मंच की ओर से सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यालय के डीएम सर्वजीत सिंह मान के संरक्षण तथा डॉ. ओमप्रकाश कादयान की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, उपकेन्द्र फतेहाबाद के वरिष्ठ उप महानिदेशक जितेन्द्र कुमार थे। मंच संचालन कवि डॉ. सुदामा शास्त्री ने किया तथा हरियाणा कला-संस्कृति मंच के जिलाध्यक्ष रणधीर सिंह मताना ने मेहमानों का स्वागत किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कवि डॉ. सुरेश पंचारिया, कवयित्री सुमन लता सुमन, प्राध्यापिका संतोष शीला, डॉ. बलराज यथार्थ, डॉ. सुदामा शास्त्री, रणधीर सिंह मताना ने अपनी रचनाओं से वाह-वाही लूटी।

वरिष्ठ कवि डॉ. सुरेश पंचारिया ने अपने मन की बात इस तरह से रखी 'बड़े यत्न और मेहनत से, जो इज्जत मिल पाती है। थोड़ी-सी बदनामी से ही, पल भर में धुल जाती है।' डॉ. सुरेश पंचारिया ने युद्ध की विभीषिका को कुछ इस तरह चित्रित किया, 'युद्ध में मानवता हो रही लहू-लुहान, गैस-तेल की किल्लत से दुनिया है परेशान।' जब बैसाखी आती है तो फसल पकने पर किसान के उल्लास को कवयित्री सुमन लता सुमन ने इस तरह से शब्दों में ढाला, 'खनक-खनक गेहूँ की बाली, खींच रही हलधर का ध्यान, बैसाखी का पर्व निराला और निराली इसकी शान।' डॉ. बलराज यथार्थ ने बैसाखी का स्वागत 'जाति-धर्म का भेद भुलाकर, तुम्हारा वन्दन करते हैं, आओ बैसाखी स्वागत हम सब करते हैं।'

छात्राओं को संतुलित आहार पर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

रतिया। महिला महाविद्यालय में छात्राओं को संबोधित करते मुख्य वक्ता। फोटो : हरिभूमि

शहीद दविन्द्र सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस पखवाड़े का शुभारंभ महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने छात्राओं को संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा कहा कि पोषण का सीधा संबंध व्यक्ति के समग्र विकास से होता है।

पखवाड़े का संयोजन एनएसएस की दोनों इकाइयों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण पे चर्चा विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सीमा ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कुपोषण से बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि सही पोषण और अच्छा स्वास्थ्य एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने छात्राओं को संतुलित आहार लेने, हरी सब्जियों, फलों एवं प्रोटीन युक्त भोजन को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने टीकाकरण के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि समय-समय पर टीकाकरण करवाना विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए अत्यंत आवश्यक है।

मोबाइल अपडेटिंग के दौरान बैंक खाता साफ फतेहाबाद के युवक से 97 हजार की साइबर ठगी

फतेहाबाद। डिजिटल युग में साइबर अपराधी ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। ताजा मामला फतेहाबाद के अशोक नगर का है, जहां एक युवक का मोबाइल हैक कर साइबर ठगों ने उसके बैंक खाते से 97 हजार रुपये उड़ा लिए। पुलिस ने शिकायत के करीब ढाई महीने बाद अब केस दर्ज कर जांच शुरू की है। परमवीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि घटना 31 जनवरी की रात की है। वह अपने घर पर मौजूद था, तभी उसने देखा कि उसके मोबाइल की स्क्रीन पर एक सर्कल घूम रहा है और अपडेटिंग लिखा आ रहा है। उसने समझा कि शायद सिस्टम का कोई सामान्य अपडेट हो रहा है और उसने फोन छोड़ दिया। जब मोबाइल अपडेट होकर दोबारा ऑन हुआ, तो परमवीर के वॉट्सऐप पर एचडीएफसी बैंक के ग्रुप में ट्रांजैक्शन के मैसेज आने शुरू हुए। जब उसने तुरंत अपना फोन-पे वॉलेट चेक किया, तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। उसके खाते से तीन किश्तों में पैसे निकाले जा चुके थे। पहली ट्रांजैक्शन में 20 हजार रुपये, दूसरी ट्रांजैक्शन में 30 हजार रुपये तथा तीसरी ट्रांजैक्शन में 47 हजार रुपये यानि कुल 97 हजार रुपये बिना किसी ओटीपी या जानकारी के उसके खाते से डेबिट हो चुके थे।

कृष्ण चौहान बने मेघवाल महासभा के जिलाध्यक्ष

सिरसा। मेघवाल महासभा की बैठक युवक साहित्य सदन में हुई। बैठक में जिला व ब्लॉक स्तर की कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। इस दौरान समाज में फैली मृत्युभोज, दहेजप्रथा, नशाखोरी जैसी कुरीतियों को मिटाने के अलावा युवक-युवतियों में बेहतर शिक्षा के प्रचार- प्रसार सहित विभिन्न विषयों पर खुलकर विचार विमर्श हुआ। सभा के संस्थापक धन्नादास ऋषि रायपुर ने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने व आगे बढने के लिए शिक्षा आधार है। समाज के युवाओं से उन्होंने आह्वान किया कि वे मेघवाल महासभा के साथ जुडकर अपना योगदान शेयर करें ताकि समाज में फैली कुरीतियों को मिटाया जा सके। सभा के नवनियुक्त सरंक्षक लीलूराम आशाखेड़ा ने कहा कि जब तक हमारे समाज में फैली कुरीतियां खत्म नहीं होगी, शिक्षा व राजनीतिक विस्तार नहीं होगा समाज आगे नहीं बढ़ सकता। धन्ना राम जयपाल ने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए आपसी मतभेद व मनभेद भुलाकर एक मंच पर आकर काम करना चाहिए। इस अवसर पर मेघवाल महासभा की जिला व ब्लॉक कार्यकारिणी सर्वसम्मति से बनाई गई, जिसमें लीलूराम आशाखेड़ा सरंक्षक, कृष्ण चौहान जांडवाला प्रधान, भूषण लाल बरोड़ उप प्रधान, सुरजीत सिंह एडवोकेट सचिव, जीतराम कालवा कोषाध्यक्ष व राजेंद्र पटीर को मीडिया प्रभारी बनाया गया।

न्यूज डायरी

ऑनलाइन गेम एप के जरिए एक करोड 10 लाख की ठगी

सिरसा। शहर में ऑनलाइन गेमिंग एप के माध्यम से युवक से एक करोड़ 10 लाख रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में परमार्थ कॉलोनी के सुमित कुमार ने बताया कि उसे एक वेबसाइट के माध्यम से संचालित एक ऑनलाइन गेमिंग निवेश समूह द्वारा धोखा दिया गया है। इस समूह ने उससे करीब एक करोड़ 10 लाख रुपए की राशि बेईमानी से ले ली है। शुरुआत में उसे इस प्लेटफॉर्म पर करीब 9 लाख 18 हजार 100 रुपए का नुकसान हुआ। इसके बाद उक्त समूह ने उससे संपर्क किया और आश्वासन दिया कि यदि वह उसी प्लेटफॉर्म पर और राशि जमा करता है, तो वे उसकी राशि वापस दिलाने में मदद करेंगे। उनके बार-बार दिए गए आश्वासनों के कारण उसने कई बार पैसे ट्रांसफर किए। इसके बाद उसने बार-बार अपने पैसे मांगे, लेकिन उसे ब्लॉक कर दिया और उसे किसी भी संदेश का जवाब नहीं दिया।

दुकान से सिगरेट की पेटी चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। एक दुकान से सिगरेट की पेटी चोरी करने के मामले को सुलझाते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी पंजाब के जिला संगरूर के निवासी हैं। पुलिस की जानकारी के अनुसार, आरोपियों की पहचान सोमी सिंह पुत्र गुरचरण सिंह और मनप्रीत सिंह पुत्र दर्शन सिंह, निवासी तरंगी खैरा, जिला संगरूर (पंजाब) के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप ने बताया कि नव दुर्गा कॉलोनी निवासी विशाल अग्रवाल ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। विशाल की गांधी गेट के पास अग्रवाल ट्रेडर्स नाम से दुकान है। बीती 27 मार्च को कुछ युवक ग्राहक बनकर उनकी दुकान पर आए थे। जब दुकानदार सामान देने में व्यस्त था, तभी आरोपी दुकान के बाहर रखी सिगरेट की एक बंद पेटी लेकर फरार हो गए। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और जानकारी की मदद से दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

दिल का दौरा पड़ने से कंबाइन मालिक की मौत

ओढां। गांव नुहियांवाली में कंबाइन लेकर गेहूं काटने आए एक युवक की दौरा पडने से मौत हो गई। सूचना के बाद ओढां पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भिजवाया। गांव सालमखेड़ा निवासी संदीप कुमार कंबाइन लेकर गांव नुहियांवाली में गेहूं की कटाई करने आया हुआ था। संदीप जब खेत में चाय पी रहा था तो उसी दौरान उसे दिल का दौरा पड़ गया। वहां पर मौजूद किसान उसे ओढां में चिकित्सक के पास ले गए, जहां संदीप को मृत घोषित कर दिया गया। एएसआई सुनील कुमार ने बताया कि इस संबध में पुलिस ने मृतक के भाई मनीष के बयान पर इत्तेफाकिया घटना की करवाई दर्ज की है।

अक्षय तृतीया के मद्देनजर बाल विवाह रोकने को लेकर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

बाल विवाह बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास पर डालता है प्रतिकूल प्रभाव : रेखा

बाल विवाह में शामिल किसी भी व्यक्ति को कानून के तहत दो साल और एक लाख रूपये तक की सजा का है प्रावधान

■ यदि लड़की की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक और लड़के की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक हो, तभी विवाह कराए संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭टोहाना

टोहाना। बाल विवाह रोकने की शपथ लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

गांव साधनवास तथा तलवाड़ा स्थित आईटीआई कॉलेज में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से बाल विवाह, घरेलू हिंसा और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में बाल विवाह, घरेलू हिंसा और दहेज प्रथा के दुष्परिणामों, संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा इन सामाजिक बुराइयों को रोकने में उनकी भूमिका के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी रेखा अग्रवाल ने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक और कानूनी अपराध है, जो बच्चों के शारीरिक, मानसिक तथा शैक्षणिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है जिसे रोकना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि कहीं भी नाबालिग बच्चों की शादी की जानकारी मिलती है तो तुरंत इसकी सूचना प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। बाल विवाह में शामिल किसी भी व्यक्ति को कानून के तहत दो साल और एक लाख रूपये तक सजा का प्रावधान है।

आयु जांच जरूरी

हमें मिलकर इस कुरीति को खत्म करना है और समाज को एक नई दिशा देनी है। बाल विवाह निषेध अधिकारी ने कहा कि अक्षय तृतीया के अवसर पर, विशेषकर 19 अप्रैल को, अबूझ साया होने की मान्यता के कारण विवाहों की संख्या बढने की संभावना रहती है। ऐसे में जिले के सभी पंडितों, पाठियों और गुरुद्वारा प्रबंधकों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है। उन्होंने अपील की कि कोई भी विवाह संपन्न कराने से पहले दोनों पक्षों की आयु की जांच अवश्य करें। यदि लडक़ी की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक और लडक़े की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक हो, तभी विवाह संपन्न कराया जाए, अन्यथा तुरंत बाल विवाह निषेध अधिकारी को सूचना दी जाए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

विशेषः विश्व विरासत दिवस 18 अप्रैल

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में हैः पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तकः जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), **रचनाकारः** जमुना बीनी, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'*(पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'*(डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *

{ पर्यटन स्थल / समीर चौधरी }

वैसे तो समुद्र तट का नैसर्गिक नजारा हर नेचर लवर को आकर्षक लगता ही है। लेकिन दुनिया के कुछ समुद्र तट इतने विशाल-लाजवाब हैं कि दूर-दूर से पर्यटक इन्हें निहारने आते हैं। शांत, खुले तट से लेकर स्थानीय जीवन से भरे हुए ये समुद्र तटीय क्षेत्र प्रकृति को अपने सबसे प्रभावी रूप में पेश करते हैं। ऐसे ही कुछ खूबसूरत और विशाल सी बीचेज के बारे में आप भी जानिए।

लाजवाब-खूबसूरत नजारा पेश करते
दुनिया के ये समुद्र तट

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में स्थित है, जो 151 किमी. में फैला हुआ है और व्यस्त शहरी जीवन के विपरीत सुकून और शांति भरे लम्हों का यादगार अनुभव प्रदान करता है। इसका तट ऐसा प्रतीत होता है, जैसे कभी खत्म ही न होगा। तट के बीच-बीच में रेत के टीले, छोटी झीलें और संरक्षित वाटर रिजर्व आपको देखने को मिल जाएंगे। तट का पानी एकदम स्वच्छ है, जिससे तैराकों और मछुआरों के लिए यह पसंदीदा स्थल बन जाता है। हालांकि इसका नाम नाइंटी माइल है लेकिन इसके विपरीत यह 90 मील से अधिक लंबा है। इसके शांतिपूर्ण एकांत में गजब का आकर्षण है। *

प्राया डो कैस्सिनो ब्राजील

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील के दक्षिणी तट पर प्राया डो कैस्सिनो, दुनिया का सबसे लंबा समुद्र तट है, जो लगभग 254 किमी. तक फैला हुआ है। इसकी प्रभावी लंबाई रिओ ग्रांडे बंदरगाह से शुरू होकर उरुग्वे की सीमा तक जाती है। यह क्षेत्र अपने दूर तक फैले रेत, समुद्र के किनारे जीवंत शहरों और अकसर समुद्र के किनारे धूप सेंकते सी लायंस की मौजूदगी के लिए विख्यात है। यह सी बीच, स्थानीय लोगों की पसंदीदा जगह है, जहां लोग लांग ड्राइव, तटीय फिशिंग और ठंडी हवा में वॉक करना खूब पसंद करते हैं। *

पद्रे सी आईलैंड बीच अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में टेक्सास के तट पर पद्रे द्वीप है, जोकि संसार का सबसे लंबा बैरियर द्वीप है। यह वन्यजीवों का अभयारण्य है, जिसमें दुर्लभ सी टर्टल और समुद्री पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। पद्रे आइलैंड नेशनल सी-शोर लगभग 112 किमी. लंबा है। इस बीच को नम हवा भरे वातावरण और वन्यजीवों के कारण विशेष रूप से पसंद किया जाता है। पर्यटक अकसर यहां कैंपिंग करने, पक्षियों को देखने और खाड़ी के किनारे वाक के लिए आते हैं। *

कॉक्स बाजार सी बीच बांग्लादेश

बांग्लादेश में स्थित कॉक्स बाजार बीच पर अकसर इस बात का जश्न मनाया जाता है कि यह संसार के सबसे लंबे प्राकृतिक समुद्र तटों में से एक है। बंगाल की खाड़ी में इस तट की लंबाई 120 किमी. है। इसके तट पर अनोखी चट्टानें, मुलायम रेत और जीवंत स्थानीय संस्कृति के दर्शन होते हैं, जो फिशिंग और पर्यटन के लिए फेमस हैं। जब दूर इसके क्षितिज में सूरज पानी में डूबता दिखता है, तो पूरा बीच दिल को अनोखा सुकून देने वाले रंगों से चमक उठता है। *

नाइंटी माइल बीच न्यूजीलैंड

ऑस्ट्रेलिया की तरह न्यूजीलैंड के एक समुद्र तट का नाम भी नाइंटी माइल बीच है, लेकिन इसकी लंबाई 88 किमी. है, जो इसके नाम से दो किलोमीटर कम है। अपनी अनोखी सुंदरता से यह पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। ऐसे प्रमाण मिलते हैं कि अतीत में इसे हॉर्स राइडिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता था। अब इसे एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए यूज किया जाता है। यहां मौजूद सरफिंग स्पेस और रेत के ऊंचे-ऊंचे टीले इसे बहुत आकर्षक बना देते हैं। *

बैंकूवर द्वीप लांग बीच कनाडा

कनाडा के बैंकूवर द्वीप के पश्चिमी तट पर लांग बीच स्थित है। यह सिर्फ 16 किमी. लंबा है, जिससे यह काफी छोटा सी बीच माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद यह उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के सबसे सुंदर सी बीच में शामिल है। इसके दूर तक फैले समतल रेतीले समुद्र तट सभी को आकर्षित करते हैं। यह बीच कनाडा के संरक्षित राष्ट्रीय पार्क का हिस्सा है। यह बीच कोहरे भरी सागर तटीय सुबह और सरफिंग के लिए विख्यात है। *

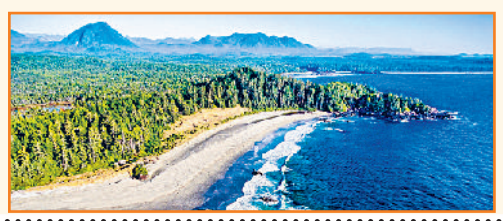

अपनाएं ये गोल्डेन रूल्स संवारें अपना सुनहरा भविष्य

सुनहरे भविष्य के लिए उचित दिशा में सही सही रणनीति के साथ मेहनत करना तो जरूरी है ही। साथ ही अगर कुछ गोल्डेन रूल्स को फॉलो किया जाए तो सफलता पाने की राह आसान हो जाएगी। ऐसी ही कुछ छोटी बातें आप भी अपने जीवन में अपना सकते हैं।

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / अंजू जैन }

कई बार कड़ी मेहनत के बावजूद हमें वे परिणाम नहीं मिल पाते, जो हम चाहते हैं। विश्व प्रसिद्ध विचारकों के अनुभव बताते हैं कि सफलता का असली राज हमारी सोच, कर्मठता और भावनाओं में छिपा होता है। हम अपने भाग्य के स्वयं विधाता हैं। यदि हम अपनी आंतरिक भावनाओं को सुधार लें, तो बाहरी परिस्थितियां अपने आप बदलने लगती हैं।

पहचानें अपनी भावनाएं: हमारी भावनाएं और वाइब्रेशंस हमारे जीवन के अनुभवों को निर्धारित करती हैं। हम जो महसूस करते हैं, वही हम अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर हम सकारात्मक भावनाओं (जैसे खुशी, प्रेम, उत्साह) पर ध्यान केंद्रित करें, तो हम अपने जीवन में सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं। इसके विपरीत, नकारात्मक भावनाएं (जैसे डर, गुस्सा, निराशा) नकारात्मक अनुभवों को आकर्षित करती हैं।

जब तक हम अपने लक्ष्य के प्रति उत्साहित महसूस नहीं करेंगे, तब तक वह हकीकत नहीं बनेगा। बेस्ट सेलर पुस्तक 'एक्सक्यूज मी, योर लाइफ इज वेटिंग' की लेखिका लिन ग्रैबहॉर्न कहती हैं, 'ब्रह्मांड में हर चीज एक ऊर्जा या फ्रीक्वेंसी पर काम करती है। यदि आप लगातार डर, चिंता या कमी के बारे में महसूस करते हैं, तो आप अनजाने में वैसी ही स्थितियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे होते हैं। अपनी फ्रीक्वेंसी बदलने का मतलब है, अपनी आंतरिक स्थिति को बदलना।'

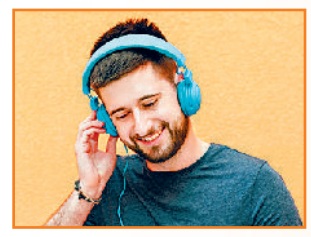

कमी के बजाय संभावनाओं पर ध्यान दें: ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि उनके पास क्या 'नहीं' है। अनुभवी और सफल लोगों का कहना है कि आप जिस चीज पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे, वह बढ़ती जाएगी। यदि आप अपनी समस्याओं के बजाय समाधान और संभावनाओं पर ध्यान देंगे, तो आपके जीवन में खुशहाली के द्वार खुलेंगे। इसलिए सकारात्मक भावनाओं को महसूस करें। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की भावना को अभी से महसूस करें। उदाहरण के लिए, अगर आप धन चाहते हैं, तो धनी होने की खुशी और आत्मविश्वास को महसूस करें। विश्वास रखें कि ब्रह्मांड आपके इरादों को साकार करने में मदद करेगा।

दबाव में न आएं: जब हम किसी चीज के लिए बहुत ज्यादा कोशिश करते हैं, तो हम अकसर दबाव महसूस करते हैं। यह दबाव नकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। इसके बजाय, ऐसा महसूस करें जैसे वह लक्ष्य पूरा होने ही वाला है बस, जरा-सी कोशिश और करनी है। यह सहजता ही आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। नेपोलियन हिल कहते हैं, 'इंसान का दिमाग जो सोच सकता है और जिसमें विश्वास कर सकता है, उसे वह हासिल भी कर सकता है।'

आभार का जादू इस्तेमाल करें: आभार का जादू केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली 'कॉस्मिक टूल' है। जो आपके पास है, उसके लिए आभारी होना आपकी वाइब्रेशन को तुरंत 'उच्च स्तर' पर ले जाता है। प्रसिद्ध दार्शनिक और लेखक मैस्टर एकहार्ट के अनुसार, 'यदि आप अपने पूरे जीवन में केवल एक ही प्रार्थना करते हैं, 'धन्यवाद' तो यही काफी है।' यह साधारण सा शब्द आपके जीवन में अधिक आशाओं और अच्छी चीजों को आमंत्रित करता है।

'एक्सक्यूज मी' कहना सीखें: अकसर हम दूसरों को खुश करने के चक्कर में अपनी मानसिक शांति दांव पर लगा देते हैं। लेकिन उन चीजों या लोगों को 'एक्सक्यूज मी' कह कर आगे बढ़ जाना जरूरी है, जो आपकी ऊर्जा को सोख लेते हैं। ऐसे लोगों को ज्यादा तवज्जो न दें। स्वयं को प्राथमिकता देना स्वार्थ नहीं, बल्कि आपकी वेल बीइंग के लिए जरूरी है।

पहचानें आप क्या चाहते हैं: अपने जीवन में उन चीजों को पहचानें जो आपको पसंद नहीं हैं या जो आपको परेशान करती हैं। इससे आपको स्पष्टता मिलती है कि आप वास्तव में क्या चाहते हैं। साथ ही यह भी तय करें कि आप क्या नहीं चाहते हैं। स्पष्ट रूप से यह निर्धारित करें कि आप अपने जीवन में क्या हासिल करना चाहते हैं, जैसे खुशी, सफलताएं या बेहतर रिश्ते। जिन चीजों से परेशानी होती है और ऊर्जा नष्ट होती है, उनसे दूर रहना सीख लीजिए।

छोटी-छोटी खुशियों का महत्व समझें: बड़ा बदलाव लाने के लिए हमेशा बड़े कदम उठाना जरूरी नहीं है। कभी-कभी एक अच्छा संगीत सुनना, प्रकृति में टहलना या किसी पुराने मित्र से बात करना भी आपकी मानसिक ऊर्जा को बदल सकता है। यही छोटे चुनाव बड़े परिणामों की आधारशिला रखते हैं। हर छोटी से छोटी उपलब्धि को सेलिब्रेट करें, उत्साहित हों। *

{ नदीगाथा / वीना गौतम }

थार मरुस्थल की जीवनरेखा लूनी नदी

अरावली पर्वतमाला में अजमेर के पास स्थित नाग पर्वत से निकलने वाली लूनी नदी, एकमात्र ऐसी नदी है, जो थार के मरुस्थल से होकर बहती है। यह भारत की सबसे बड़ी और अकेली अंतःस्थलीय (इनलैंड) नदी है यानी यह नदी समुद्र तक नहीं पहुंचती बल्कि कच्छ के रण में ही विलीन हो जाती है। इसे थार के मरुस्थल की जीवनरेखा कहते हैं, जो भले सीमित जल संसाधन की मालिक हो, लेकिन इसी की बदौलत थार मरुस्थल में जैव विविधता मौजूद है यानी लूनी नदी रेगिस्तान में बहने वाली ऐसी नदी है, जिसके आस-पास का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद संवेदनशील और अनूठा है।

नदी की विशिष्टताएं: लूनी इस नदी की लंबाई कुल 495 किलोमीटर है और अपनी प्रकृति के हिसाब से ये मौसमी नदी है, जो अरावली पर्वतमाला से निकलकर गुजरात में कच्छ के रण में विलीन हो जाती है। लूनी नदी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस नदी का शुरुआती सिरा मीठे पानी का और अंतिम सिरा खारे पानी का है। इस मामले में शायद यह दुनिया की ऐसी खास नदी है, जो एक साथ मीठी और खारी दोनों है। अंतःस्थलीय लूनी नदी को अजमेर के पास सागरमती कहा जाता है। करीब 150 किलोमीटर बहने के बाद इसे लवणी या लूणी कहा जाने लगता है। यह पूरी तरह से वर्षा आधारित यानी (रेन फेड) नदी है। इसके बहाव का मुख्य भाग राजस्थान में है और अंतिम भाग गुजरात में है।

मानसून आधारित नदी: मौसमी नदी लूनी, दक्षिण-पश्चिम मानसून पर आधारित है। इसका प्रवाह जुलाई से सितंबर के बीच रहता है, जिसमें शुरू में तेज बहाव होता है, यहां तक कि कई जगहों में यह बाढ़ का कारण भी बनती है। लूनी नदी की खासियतों में एक यह भी है कि यह नदी पूरी तरह से वर्षा से प्रभावित नदी है। अगर जरा भी बारिश अनियमित होती है, तो यह भी अनियमित हो जाती है।

कुछ हिस्सा है खारा: निचले छोर यानी जालोर से कच्छ के बीच इस नदी का पानी खारा हो जाता है। क्योंकि यहां यह रेतीले मैदानों और दलदली क्षेत्र में होकर गुजरती है। भले यह गंगा और यमुना जैसी सांस्कृतिक और सभ्यतामूलक नदी धारा के रूप में न पहचानी जाती हो, लेकिन इसके किनारे भी सभ्यता के कुछ विशेष रूप जन्मे हैं और कुछ राजस्थानी शहर भी इसके किनारे स्थित हैं- जैसे अजमेर, पाली, जोधपुर। *

{ बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश }

बॉलीवुड फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाने वाले एक्टर्स यानी खलनायकों को भले ही हीरो जैसा स्टारडम नहीं मिलता लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी किसी भी मायने में नायकों से कम नहीं होती है। कुछ एक्टर्स तो आज भी याद किए जाते हैं। ऐसे ही कुछ बेहतरीन खलनायकों पर एक नजर।

नायकों से कम पॉपुलर नहीं बॉलीवुड के ये खलनायक

प्राण | अमरीश पुरी | अमजद खान | प्रेम चोपड़ा

अपने शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड फिल्मों में कई ऐसे खलनायक यानी विलेन हुए हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। दर्शकों को सांस रोककर 'अगले पल क्या होगा?' सोचने को मजबूर कर दिया, इन्हें खौफ का पर्याय माना जाने लगा। 'प्रेम नाम है मेरा-प्रेम चोपड़ा।', 'अरे ओ सांभा, कितने आदमी थे?', 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है।', 'मोगैंबो खुश हुआ!' हिंदी फिल्मों के खलनायकों द्वारा बोले गए ऐसे कई संवाद आज भी जीवंत बने हुए हैं।

ये एक्टर हुए सर्वाधिक चर्चित: बात जब हिंदी फिल्मों के खलनायकों की होती है तो सबसे पहले जो नाम जेहन में उभरते हैं, उनमें शामिल हैं-के.एन. सिंह, कन्हैया लाल, प्राण, अजीत, प्रेमनाथ, मदन पुरी, अमजद खान, जीवन, डैनी डेंजोंगपा, कुलभूषण खरबंदा, अमरीश पुरी, मुकेश तिवारी, कृष्ण धवन, प्रेम चोपड़ा, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, शक्ति कपूर, कादर खान, रजा मुराद, परेश रावल, सदाशिव अमरापुरकर, किरण कुमार। एक बात यह भी है कि संजीव कुमार से लेकर कबीर बेदी तक और शाहरुख खान, ओम पुरी, मोहनीश बहल, अक्षय कुमार, आमिर खान, सैफ अली खान, संजय दत्त, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख, रणवीर सिंह, अनुपम खेर जैसे अभिनेताओं ने भी कम लेकिन विलेन के शानदार रोल निभाए हैं।

यादगार खलनायकों में शामिल गब्बर सिंह: बॉलीवुड में अब तक निभाए गए खलनायक के सबसे प्रभावशाली और यादगार किरदारों में 1975 में आई फिल्म 'शोले' का गब्बर सिंह शामिल है। जिसे पर्दे पर जीवंत किया था अभिनेता अमजद खान ने। पूरे फिल्म सिनेरियो पर नजर दौड़ाएं तो अमजद खान, सिर्फ गब्बर के रोल के कारण अपने पूर्व, समकालीन और बाद के फिल्मी खलनायकों से काफी ऊपर हैं। 'जो डर गया समझो मर गया', 'कितने आदमी थे', 'ये हाथ हमको दे दे ठाकुर', 'तेरा क्या होगा कालिया', फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह का एक-एक संवाद खूब पॉपुलर हुआ और आज भी लोगों की जुबान पर है।

अनुपम खेर

कुलभूषण खरबंदा

'शान' का क्रूर विलेन शाकाल: 'शोले' के बाद की कई फिल्मों में गब्बर सिंह की तरह ही फिल्म के विलेन को खतरनाक और प्रभावशाली ढंग से दिखाने का प्रयास किया गया। 1980 में आई 'शान' में शाकाल का रोल प्ले किया था कुलभूषण खरबंदा ने। 'शाकाल के हाथ में जितने पत्ते होते हैं, उतने ही पत्ते उसकी आस्तीन में होते हैं', 'आदमी दुनिया में हर काम कभी न कभी पहली बार करता ही है', जैसे डायलॉग्स उन दिनों खूब लोकप्रिय हुए थे।

प्रेम चोपड़ा का अलग अंदाज: 'मैं वो बला हूं जो शीशे से पत्थर तोड़ता हूं।' प्रेम चोपड़ा का वह संवाद, जिसे उन्होंने 1983 में 'सौतन' फिल्म में बोला था, उनकी पहचान बन गया। प्रेम चोपड़ा तो अपने रियल नाम से भी फिल्मों में फेमस हुए। 1973 की 'बॉबी' में जब वह कहते हैं, 'प्रेम नाम है मेरा', तो सिनेमा हाल में बैठे हुए दर्शक समझ जाते कि अब नायक-नायिका के साथ कुछ गड़बड़ होने वाली है।

'कर्मा' का इंटेंस विलेन डॉक्टर डैंग: 1986 की फिल्म 'कर्मा' में अनुपम खेर ने डॉक्टर डैंग की यादगार नकारात्मक भूमिका निभाई थी। फिल्म के एक दृश्य में दिलीप कुमार से थप्पड़ खाने के बाद डॉक्टर डैंग का यह डायलॉग, 'इस थप्पड़ की गूंज तुम्हें मरते दम तक सुनाई देगी जेलर।' आज भी दर्शक नहीं भूले हैं। इसके बाद उन्होंने जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की वह डॉक्टर डैंग को दर्शकों के बीच चर्चित कर गया। फिल्म में अनुपम खेर के किरदार और उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

शक्ति कपूर

रंजीत

कोई नहीं अमरीश पुरी जैसा: हिंदी फिल्मों में कई खलनायक ऐसे हुए हैं, जो पर्दे पर जब तेवर दिखाते हैं तो सामने वाले हीरो पर पूरी तरह हावी हो जाते हैं। ऐसे ही विलेन में अमरीश पुरी भी शामिल हैं। अमरीश पुरी ने 'मिस्टर इंडिया' और 'लोहा' में ऐसे अपना रोल निभाया कि पर्दे पर उनके आते ही दर्शक सीट से उठते ही नहीं थे। दोनों फिल्मों में एक दशक का अंतर था। गब्बर के बाद अमरीश पुरी ही ऐसे खलनायक रहे हैं, जिनके संवाद बच्चों को भी याद हैं। 'मिस्टर इंडिया' में उनके बोले संवाद 'मोगैंबो खुश हुआ' को आज भी बच्चे बोलते रहते हैं।

इनकी खलनायकी ने कायम की मिसाल: प्राण ने भी अपनी खलनायिकी के अंदाज से बड़े-बड़े नायकों को पर्दे पर टक्कर दी। उनकी बेहतरीन खलनायिकी को सामने लाने वाली फिल्मों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। प्राण की तरह ही मदनपुरी और प्रेमनाथ भी खलनायिकी करने में उस्ताद थे। प्रेमनाथ का 'पराया धन' तथा 'जॉनी मेरा नाम' में विलेन का रंग बहुत चमकदार रहा। इनके अलावा शक्ति कपूर, किरण कुमार, कादर खान, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, परेश रावल और भी कई ऐसे फिल्मी विलेन हुए हैं, जिन्हें नायकों की तरह ही पहचाना जाता है। 'चाइना गेट' में डाकू जगीरा का रोल करने वाले मुकेश तिवारी और 'राम तेरी गंगा मैली' के माणिक लाल उर्फ कृष्ण धवन को भी दर्शक याद करते हैं। *

आज युवाओं के लिए सनग्लासेज एक ऐसी एक्सेसरीज है, जो उन्हें धूप से बचाने के साथ ही उनकी पर्सनालिटी को अपग्रेड भी करती है। यह डिजिटल-रियल दोनों दुनिया में यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को समर स्वैग देती है।

अट्रैक्टिव सनग्लासेज बढ़ा दे यंगस्टर्स का समर स्वैग

{ सीजनल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा }

गर्मी शुरू होते ही सिर्फ तापमान नहीं बढ़ता बल्कि युवाओं का फैशन मीटर भी हाई हो जाता है। कॉलेज कैंपस, कैफे, मॉल, ट्रैवल स्पॉट, हर जगह एक खास तरह की स्टाइल एनर्जी देखने को मिलती है। उनके इस समूचे 'समर स्वैग' को किसी एक एक्सेसरीज के जरिए व्यक्त करना हो, तो वो है-सनग्लासेज।

सनग्लासेज या धूप का चश्मा सिर्फ चिलचिलाती गर्मी से बचने भर का जरिया नहीं रह गया है बल्कि अब यह एक ऐसी पहचान बन चुका है, जो यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को गर्मियों का खास लुक देता है।

एटीट्यूड का हिस्सा: एक समय तक सनग्लासेज को गर्मी के मौसम की एक जरूरत माना जाता था, आंखों को धूप से बचाने के लिए लेकिन अब यह एक एटीट्यूड एक्सेसरीज बन चुका है। जैसे ही कोई सनग्लास पहनता है, उसकी बॉडी लैंग्वेज बदल जाती है। थोड़ा आत्मविश्वास, थोड़ा रहस्य और थोड़ा 'मैं सबसे अलग हूं' का भाव उसकी पर्सनालिटी में आ जाता है। इंस्टाग्राम रील से लेकर कॉलेज फेस्ट तक अगर किसी एक एक्सेसरीज पर सबसे ज्यादा जोर दिखता है, तो वह है सनग्लास। यही कारण है कि सनग्लासेस को यंगस्टर्स के एटीट्यूड का सबसे खास हिस्सा माना जाता है।

सोशल मीडिया का बड़ा रोल: आज के दौर का फैशन सिर्फ सड़क या कॉलेज में दिखाने तक सीमित नहीं है बल्कि सच बात तो यह है कि वह बाकी किसी भी जगहों से ज्यादा सोशल मीडिया के लिए होता है। गर्मी के दौरान सनग्लासेज, डिजिटल फैशन का सबसे इंपॉर्टेंट पार्ट बन जाता है। चेहरे पर सनग्लास लगी सेल्फी ज्यादा शार्प होती है, इसमें आंखों का एक्सप्रेशन कंट्रोल किया जा सकता है। सनग्लास की वजह से एक कूल और कंट्रोल्ड इमेज बनती है। यही कारण है कि युवाओं के सनग्लास सिर्फ पहनने की चीज नहीं बल्कि कंटेंट क्रिएशन का टूल बन चुका है।

फैशन+परफेक्शन=परफेक्ट समर कॉम्बो: गर्मी के मौसम में जहां एक तरफ स्टाइल जरूरी है, वहीं दूसरी तरफ आसमान से बरसती आग से बचना भी जरूरी है। इसलिए सनग्लासेज इस मौसम के लिए सबसे परफेक्ट कॉम्बो एक्सेसरीज माने जाते हैं। सनग्लासेज इस बैलेंस को सचमुच परफेक्ट बनाते हैं, क्योंकि इनसे- तेज धूप से आंखों की सुरक्षा संभव होती है। पसीने और थकान में भी फ्रेश लुक बनी रहती है। ट्रैवल के दौरान आरामदायक विजन मिलता है यानी यह एक्सेसरीज सिर्फ दिखने के लिए नहीं बल्कि जीने के तरीके को भी आसानी से बदल देती है।

कई वैरायटीज में उपलब्ध: सनग्लासेस आज एक्सेसरीज में बदल चुके हैं। अब ये टिंटेड लैंस यानी ब्लू, यलो और पिंक कलर में भी उपलब्ध हैं। आज बाजार में सनग्लासेज बोल्ड और ड्रामेटिक दिखने वाले ओवरसाइज्ड फ्रेम में भी मौजूद हैं। सनग्लासेज वो एक्सेसरीज हैं, जिसे युवा सबसे ज्यादा एक्सप्लोर करते हैं, क्योंकि इनके जरिए अब हर चेहरा अपना एक अलग स्टाइल कैरी कर सकता है। *